RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 छलका अनन्या का दर्द ....

वर्ष : 26 अंक : 336 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 27 नवंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

संभल हिंसा: दंगाइयों के लगेंगे पोस्टर, हुई पहचान

योगी सरकार दंगाईयों पर सख्त

- गिरफ्तार 21 दंगाईयों की तस्वीर जारी, दो महिलाएं भी
- 74 फरार पत्थरबाजों की पहचान
- आरोपियों से होगी नुकसान की भरपाई

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण के दौरान हुए बवाल के बाद पत्थरबाजों और उपद्रवियों की तलाश जोरों पर हो रही है। इसके साथ ही हिंसा करने वालों पर यूपी सरकार सख्ती बरतेगी। पत्थरबाजों और उपद्रवियों के पोस्टर सार्वजनिक रूप से लगाए जायेंगे। साथ ही नुकसान की भरपाई भी आरोपियों से की जाएगी। पुलिस ने 74 फरार दंगाईयों की पहचान कर ली है। पुलिस का दावा है कि पत्थरबाजों में 14 साल से लेकर 74 साल के लोग शामिल थे।

पुलिस का कहना था कि जरूरी हुआ तो उपद्रवियों पर इनाम भी घोषित हो सकता है। संभल हिंसा के गुनहगार किसी भी सूरत में बच नहीं पाएंगे।

बता दें कि यूपी की योगी सरकार पहले ही उपद्रव करने वालों के खिलाफ नुकसान की वसूली और पोस्टर का अध्यादेश जारी कर चुकी है।

कमिश्नर ने बताया कि सर्वे से एक दिन पहले जिला प्रशासन ने जामा मस्जिद कमेटी को नोटिस दिया था। जब सर्वे टीम पहुंची तो संभल विधायक इकबाल महमूद का बेटा सुहेल इकबाल भी जामा मस्जिद पहुंच गया। उसने सर्वे टीम के साथ शामिल होने की बात कही।

टीम ने उसे साथ शामिल करने से मना कर दिया। इसके बाद ही भीड़ जुटी और बवाल हुआ। उपद्रव में शामिल लोगों के फोटो शीघ्र ही मीडिया में भी जारी किए जाएंगे, जिससे उन्हें पकड़ने में आसानी होगी। पुलिस ने पथराव करने वाले सैकड़ों आरोपियों को चिह्नित कर लिया है और गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दी जा रही है।

संभल शहर के अलावा आसपास के कस्बों और गांवों में भी बवालियों को ढूंढा जा रहा है। दर्जनों लोगों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। उनसे अलग-अलग थानों में पूछताछ करके अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने गिरफ्तार 21 आरोपियों की तस्वीर जारी की है जिसमें दो महिलाएं भी हैं। पुलिस ने संभल हिंसा में अब तक 12 एफआईआर दर्ज की हैं।

बरेली जोन के एडीजी रमित शर्मा और डीआईजी मुनिराज जी ने मंगलवार सुबह पुलिस फोर्स के साथ शहर में पैदल मार्च किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से बातचीत की और कहा कि दुकानें खोलें और व्यापार करें। हालांकि, शहर के अधिकांश बाजारों में दुकानें खुलने के बावजूद सन्नाटा पसरा रहा। शहर की जामा मस्जिद के आसपास की दुकानें नहीं खुलीं। बवाल के बाद से भागे सैकड़ों लोगों के घरों पर अब भी ताले लटके हैं। पूरा इलाका पुलिस छावनी बना है।

संसद में संभल पर संग्राम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन संभल हिंसा और अडाणी मुद्दे पर हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। विपक्ष के भारी हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित किया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थसगत कर दी गई।

शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन जैसे ही लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विपक्ष लोकसभा में संभल और अदाणी मामले में चर्चा की मांग कर रहा है। हंगामे पर स्पीकर ने कहा कि सदन चलने दें। हर मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

महाकुंभ-2025 की तैयारियां देखने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी में कुंभ 2025 की तैयारी से चल रही है। अगले वर्ष 13 जनवरी से शुरू होने जा रहे महाकुंभ की तैयारियों की बुधवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रगति की समीक्षा करने प्रयागराज पहुंच गए। वह यहां कई कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। सबसे पहले वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचे हैं।

इसके बाद वह सर्किट हाउस में दोपहर का भोजन करेंगे। फिर नगर निगम में स्वच्छता कार्यक्रमों की मानीटरिंग के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम का लोकार्पण करेंगे। वहां से वह महाकुंभ की परियोजनाओं का निरीक्षण कर संगम पहुंचेंगे। वहां गंगा पूजन-आरती कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 13 दिसंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को भी देखेंगे। फिर किला स्थित अक्षयवट कारिडोर व हनुमान मंदिर कारिडोर जाएंगे।

जिसके बाद परेड स्थित सभा स्थल पर पहुंचेंगे, जहां स्वच्छता कर्मियों व नाविकों को बीमा का प्रमाण पत्र देंगे। इसके साथ ही उन्हें सुरक्षा किट भी प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में 20 हजार स्वच्छता कर्मियों व नाविकों को सुरक्षा किट वितरित की जाएगी।

दूध कारोबारी की सड़क हादसे में मौत

ट्रक की टक्कर में युवक मरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में देर रात दो भीषण सड़क हादसा हुए जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार पहला हादसा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के अल्फा गोल चक्कर पर हुआ, जहां बाइक और ट्रक की टक्कर में बाइक सवार मुकेश (32) पुत्र जय किशोर, निवासी लड़पुरा की मौके पर मौत हो गई। उनके साथ बैठे देवेन्द्र (38) निठारी लड़पुरा गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

दूसरा हादसा थाना दादरी क्षेत्र में देर रात हुआ। चिटहैरा गांव के रंजीत (40) पुत्र कंचन सिंह दूध सप्लाई का काम करते थे, गाजियाबाद से दूध की सप्लाई करके वापस लौटते समय जीटी रोड पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। गंभीर हालत में रंजीत को दादरी के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने दोनों घटनाओं में शवों का पंचायतनामा भरकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जगदगुरू कृपालु महाराज की बेटी की जान लेने वाला ट्रक चालक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे जगदगुरू कृपालु महाराज की बेटी डॉ. विशाखा त्रिपाठी (दीदी) की कार में टक्कर मारने वाले ट्रक चालक को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रविवार को हुए इस हादसे में गुरू पुत्री डा. विशाखा त्रिपाठी की मृत्यु हो गई थी।

पुलिस ने बताया कि वादी द्वारा दी गयी तहरीर में बताया गया कि कार नं0- यूपी 72 बीएक्स 7148 से प्रात: वृन्दावन से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते गोलोक धाम द्वारका नई दिल्ली जा रहे थे तथा हमारे अन्य सत्संगी भी कार नं डीएल 7 सीवी 3044, डीएल 2 सीआर 0591 व यूपी 80 एफयू 9596 से वृन्दावन से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते गोलोक धाम द्वारका साथ साथ जा रहे थे। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेस-वे पर ट्रक नं यूपी 80 एफटी 5477 के चालक द्वारा ट्रक को तेजी व लापरवाही से चलाते हुये एक्सप्रेसवे पर साईड में खड़ी हमारी गाडियों में टक्कर मार दी । जिससे हमारी तीन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गयी तथा हमारे संत्संगी साथी व गुरू पुत्रिया गंभीर रूप से घायल हो गयी थीं। जिनको घायल अवस्था मे अस्पताल मे भर्ती कराया गया। इस हादसे में गुरू पुत्री सुश्री विशाखा त्रिपाठी की इलाज के मृत्यु हो गयी थी।

इस मामले में कार्यवाही करते हुए थाना दनकौर पुलिस ने ट्रक चालक हरेन्द्र पुत्र रामसेवक निवासी ग्राम अलीनगर कैन्जरा राजा का ताल थाना टून्डला जनपद फिरोजाबाद को फलैदा कट के पास यमुना एक्सप्रेस वे से गिरफ्तार कर लिया है।

राहुल के संभल जाने को लेकर यूपी गेट पर अलर्ट

गाजियाबाद (चेतना मंच)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संभल जाने की सूचना मिलने के बाद यूपी गेट पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। संभल में 30 नवंबर तक बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगी है। सपा नेताओं को भी दो दिन बाद संभल जाने की अनुमति मिली है।

वहीं संभल में धार्मिक स्थल के सर्वे को लेकर हुए विवाद में चार लोगों की मौत हो गई है।

वहीं इस संबंध में मंगलवार को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष उपाध्याय को सौंपा गया।

ग्रेटर नोएडा-गाजियाबाद में सुधरी हवा

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में जहरीली धुंध का असर जारी है। वायु प्रदूषण खराब स्तर पर बना हुआ है। बीती रात तेज हवा चलने से प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखने को मिली।

हवा चलने से प्रदूषण का स्तर थोड़ा गिरा

सीपीसीबी के अनुसार, बुधवार सुबह सात बजे आनंद विहार में 311, बवाना में 341, जहांगीरपुरी में 330, पंजाबी बाग में 326 और नजफगढ़ में 295 एक्यूआई दर्ज हुआ है। वहीं नोएडा में एक्यूआई 254, ग्रेटर नोएडा में 170 तथा गाजियाबाद में एक्यूआई 117 पर दर्ज किया गया।

मौसम साथ न देने से दिल्ली की हवाएं बेहद खराब स्थिति में है। सुबह दिल्ली के कई इलाकों में स्मॉग की चादर छाई रही। दिन में मामूली सुधार के बाद शाम को दोबारा हवाओं की चाल चार किमी प्रति घंटा पर ठहर गई। इससे वायु गुणवत्ता सूचकांक में सिर्फ छह अंकों का सुधार हुआ। 24 घंटों का औसत एक्यूआई सोमवार के 349 की तुलना में मंगलवार 343 पर पहुंच गया। प्रदूषण पर काम करने वाली एजेंसियों को अभी हवाओं की सेहत में सुधार की उम्मीद नहीं दिख रही है। अगले तीन दिनों तक एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में ही रहने का अनुमान है।

आरक्षण के लाभ के लिए धर्मांतरण नहीं

मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरक्षण का लाभ लेने के लिए धर्मपरिवर्तन करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि कोई व्यक्ति सिर्फ आरक्षण का लाभ लेने की नीयत से धर्मांतरण कर रहा है तो उसे ये फायदा उठाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियम से चर्च जाकर प्रार्थना और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने और ईसाई धर्म की परंपरा का पालन करने वाला व्यक्ति खुद को हिंदू बताकर अनुसूचित जाति के तहत मिलने वाले आरक्षण का लाभ नहीं उठा सकता।

जस्टिस पंकज मित्थल और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के 24 जनवरी, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली सी सेल्वरानी की याचिका खारिज करते हुए टिप्पणी की कि भारत में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के साथ ही संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत देश के हर नागरिक को अपनी मर्जी से धर्म और आस्था चुनने और उसकी परंपराओं और मान्यताओं का पालन करने की आज़ादी है।

महिला की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने पुदुच्चेरी की एक महिला की अर्जी खारिज करते हुए ये टिप्पणी की है. इस ईसाई महिला ने नौकरी में अनुसूचित जाति के तहत मिलने वाले आरक्षण का लाभ हासिल करने के लिए अपने धर्मांतरण की वैधता को आग्रह करते हुए यह याचिका दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता महिला ईसाई धर्म की परंपरा का पालन करती है. वो नियमित तौर पर चर्च जाकर धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लेती है, लेकिन इन सबके बावजूद वो खुद को हिंदू बताते हुए नौकरी के मकसद से अनुसूचित जाति को मिलने वाले आरक्षण का फायदा उठाना चाहती है। यह संविधानिक सिद्धांतों के लिहाज से भी कतई उचित नहीं है। इस महिला का दोहरा दावा मंजूर नहीं किया जा सकता है।

कोई अपना धर्म तब बदलता है जब वास्तव में वो किसी दूसरे धर्म के सिद्धांतों, मान्यताओं, दर्शन और परंपराओं से प्रभावित हो, लेकिन कोई व्यक्ति अपने हृदय में सच्ची आस्था के बिना अपना धर्मांतरण सिर्फ दूसरे धर्म के तहत मिलने वाले आरक्षण का फायदा लेने के लिए कर रहा है, तो संविधान और न्यायपालिका इसकी इजाजत नहीं दे सकते, क्योंकि सच्ची आस्था के बिना ऐसा धर्म परिवर्तन न केवल संविधान के साथ धोखाधड़ी है बल्कि आरक्षण की नीति के सामाजिक सरोकार को हराने जैसा होगा। इससे आरक्षण के सामाजिक मूल्य नष्ट होंगे।

जिंदा है कांग्रेस

बेशक कांग्रेस महत्वपूर्ण चुनावों में पराजित होती रही है, उसमें बिखराव और अलग-अलग नजरिये भी सामने आते रहे हैं, लेकिन कांग्रेस आज भी जिंदा और प्रासंगिक राजनीतिक पार्टी है। करीब 20 फीसदी मतदाताओं की पसंद आज भी कांग्रेस है। मतदाताओं और समर्थकों की संख्या करोड़ों में है। भारतीय लोकतंत्र के लिए कांग्रेस की मौजूदगी और उसका राजनीतिक अस्तित्व बेहद जरूरी है। कांग्रेस लोकतंत्र में अपनी बात कहने और सत्ता से असहमति जताने का विस्तृत, पुराना और पुख्ता मंच है। महाराष्ट्र जनादेश के मद्देनजर जो राजनीतिक और चुनावी विश्लेषक कांग्रेस का फातिहा पढ़ रहे हैं और उसके वजूद पर सवाल उठा रहे हैं, दरअसल वे अपनी पेशेवर ईमानदारी से बेईमानी कर रहे हैं। उनके विश्लेषण पूर्वाग्रही और कांग्रेस-विरोधी हैं। यथार्थ स्थिति यह है कि लोकसभा में आज भी कांग्रेस के 98 सांसद और नेता प्रतिपक्ष हैं। तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल में कांग्रेस सरकारें हैं। झारखंड, तमिलनाडु जैसे राज्यों में कांग्रेस सत्ता में साझेदार दल है। दरअसल देश के 20 राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा के लिए कांग्रेस आज भी प्रथम, प्रत्यक्ष चुनौती है। किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक दल खत्म, अस्तित्वहीन नहीं हुआ करते। भाजपा ही इसका सबसे बड़ा, प्रमाणित उदाहरण है। 1984 के आम चुनाव में भाजपा मात्र दो सांसदों तक सिमट गई थी। उसके शिखर-पुरुष अटल बिहारी वाजपेयी भी चुनाव हार गए थे, लेकिन 1996 के बाद भाजपा हर लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभर रही है। मई, 2014 से लगातार वह देश की सत्ता पर काबिज है। यह स्थिति कांग्रेस की क्यों नहीं हो सकती? कांग्रेस को 1989 के बाद लोकसभा चुनाव में कभी भी बहुमत हासिल नहीं हुआ। हालांकि उसकी अल्पमत और गठबंधन की सरकारें बनती रही हैं और उन्होंने अपने कार्यकाल भी पूरे किए हैं। यही बिंदु है, जिस पर कांग्रेस नेतृत्व को व्यापक मंथन करना है। सवाल है कि मंथन कौन करेगा और वह कितना ईमानदार प्रयास होगा? मंथन की दिशा कौन तय करेगा और किसका नेतृत्व सर्व स्वीकार्य होगा? यही बुनियादी चिंता और विरोधाभास भी है। इतने बड़े और राष्ट्रीय समर्थन के बावजूद कांग्रेस का नेतृत्व एक एनजीओ या एक कंपनी सरीखा लगता है, जिसमें 'विरोध' की कोई गुंजाइश ही नहीं है। नेतृत्व सिर्फ मल्लिकार्जुन खड? ही नहीं हैं। वह तो कुछ साल के लिए निर्वाचित अध्यक्ष हैं, लेकिन आज भी नेतृत्व तो गांधी परिवार ही करता है। दरअसल कांग्रेस कार्यसमिति पार्टी का सर्वोच्च, निर्णायक निकाय है। वह राजनीतिक चापलूसों का मंच है। अधिकतर नेता राज्यसभा में घुसेड़े गए हैं। अलबत्ता वे लोकसभा या विधानसभा चुनाव जीतने लायक भी नहीं हैं, लेकिन वे कांग्रेस की देशव्यापी रणनीति, संसदीय रणनीति, वैचारिक आधार-भूमि तय करने वाले हैं। जब उन्हें देश के यथार्थ का ज्ञान अथवा एहसास ही नहीं है, तो दशकों से वे ही पार्टी की रणनीति कैसे तैयार कर रहे हैं? कांग्रेस को जनादेश आखिर कैसे मिलेंगे? महाराष्ट्र जनादेश की प्रतिक्रिया में अलग-अलग बयान दिए गए हैं। यहां तक कहा गया है कि यह जनता का फैसला नहीं है, लिहाजा कांग्रेस को स्वीकार्य नहीं है। क्या जनादेश पर सवाल, संदेह जताते हुए कांग्रेस आत्ममंथन कर सकती है? क्या ऐसा चिंतन आत्मघाती ही साबित नहीं होगा? दरअसल कांग्रेस के लिए यह आमूल परिवर्तन का दौर है। बेशक इसकी शुरुआत गांधी परिवार को ही करनी चाहिए। कांग्रेस को गांधी परिवार से मुक्त नहीं किया जा सकता। वह पार्टी की धुरी है, लेकिन परिवर्तन कौन करेगा? कार्यसमिति में बदलाव कब संभव हैं? नई पीढ़ी की भूमिका क्या होगी, जो नए दौर के नए एजेंडे तय करने में सार्थक साबित हो सकती है? यह पारदर्शिता का भी दौर है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मेरी बात सुनकर उपाय करो। ईश्वर सहायता करेंगे और काम हो जाएगा। सतीजी ने जो दक्ष के यज्ञ में देह का त्याग किया था, उन्होंने अब हिमाचल के घर जाकर जन्म लिया है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

तेहिं तपु कीन्ह संभु पति लागी। सिव समाधि बैठे सबु त्यागी॥
जदपि अहइ असमंजस भारी। तदपि बात एक सुनहु हमारी॥
उन्होंने शिवजी को पति बनाने के लिए तप किया है, इधर शिवजी सब छोड़-छाड़कर समाधि लगा बैठे हैं। यद्यपि है तो बड़े असमंजस की बात, तथापि मेरी एक बात सुनो॥
पठवहु कामु जाइ सिव पाहीं। करै छोभु संकर मन माहीं॥
तब हम जाइ सिवहि सिर नाई। करवाउब बिबाहु बरिआई॥
तुम जाकर कामदेव को शिवजी के पास भेजो, वह शिवजी के मन में क्षोभ उत्पन्न करे (उनकी समाधि भंग करे)। तब हम जाकर शिवजी के चरणों में सिर रख देंगे और जबरदस्ती (उन्हें राजी करके) विवाह करा देंगे॥
एहि बिधि भलेहिं देवहित होई। मत अति नीक कहइ सबु कोई॥
अस्तुति सुरन्ह कीन्हि अति हेतू। प्रगटेउ बिषमबान झषकेतू॥
इस प्रकार से भले ही देवताओं का हित हो (और तो कोई उपाय नहीं है) सबने कहा- यह सम्मति बहुत अच्छी है। फिर देवताओं ने बड़े प्रेम से स्तुति की। तब विषम (पाँच) बाण धारण करने वाला और मछली के चिह्नयुक्त ध्वजा वाला कामदेव प्रकट हुआ॥ (क्रमशः...)

संभल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उपजे जटिल सवाल

यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं त्रासद है कि उत्तर प्रदेश के संभल में एक बार फिर एक सम्प्रदाय विशेष के लोगों ने जो हिंसा, नफरत एवं द्वेष को हथियार बनाकर अशांति फैलायी, वह भारत की एकता, अखण्डता एवं भाईचारे की संस्कृति को क्षति पहुंचाने का माध्यम बनी है। स्थानीय अदालत के आदेश पर एक मस्जिद के सर्वे के दौरान हिंसा एवं उन्माद का भ?क उठना और इसके चलते तीन लोगों की जान चले जाना, चुनौतीपूर्ण, विडम्बनापूर्ण एवं शर्मनाक है। इस घटना में कई अन्य लोग घायल भी हुए, जिनमें 30 से अधिक पुलिसकर्मी भी हैं। इस हिंसा को टाला जा सकता था यदि अदालत के आदेश पर हो रहे सर्वेक्षण का हिंसक विरोध नहीं किया जाता। ध्यान रहे कि जब ऐसा होता है तो बैर बढ़ने के साथ देश की छवि पर भी बुरा असर पड़ता है। नि:संदेह इस सम्प्रदाय विशेष को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब देश कई चुनौतियों से दो-चार है, तब राष्ट्रीय एकता एवं सद्भाव को बल देना सबकी पहली और साझी प्राथमिकता बननी चाहिए। एक उन्मादी, विभाजित और वैमनस्यग्रस्त समाज न तो अपना भला कर सकता है और न ही देश को आगे ले जा सकता है। समय आ गया है कि उन मूल कारणों पर विचार किया जाए, जिनके चलते साम्प्रदायिक तनाव, नफरत एवं द्वेष बढ़ाने वाली घटनाएं थम नहीं रही हैं।

संभल की स्थानीय अदालत ने उस याचिका पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि मुगल बादशाह बाबर ने इस मस्जिद का निर्माण एक मंदिर के स्थान पर किया था। स्थानीय अदालत के आदेश पर इसी मंगलवार को जब प्रारंभिक सर्वे किया गया था तब भी इलाके में तनाव फैला था, लेकिन उसे दूर कर लिया गया था। समझना कठिन है कि गत दिवस सर्वे के दौरान ऐसे प्रयास क्यों नहीं किए गए जिससे किसी तरह की अव्यवस्था और अशांति न फैलने पाए। रविवार को सर्वे के दौरान जिस तरह पुलिस पर पथराव किया गया और वाहनों में तोड़फोड़ करने के साथ उन्हें आग के हवाले किया गया, उससे लगता है कि कुछ उन्मादी तत्वों ने उपद्रव की तैयारी कर रखी थी। ऐसी घटनाएं सामाजिक तानेबाने को क्षति पहुंचाने के साथ कानून एवं व्यवस्था के समक्ष चुनौती भी ख?ी करती हैं। यह चिंता की बात है कि यह एक चलन सा बनता जा रहा है कि जब सार्वजनिक स्थलों पर कोई धार्मिक आयोजन होता है, किसी अदालती आदेश पर जांच कार्य होता है तो प्राय: पहले किसी बात को लेकर विवाद होता है और फिर हिंसा शुरू हो जाती है। कई बार तो यह हिंसा बड़े पैमाने पर और किसी सुनियोजित साजिश के तहत होती दिखती है। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई भीषण हिंसा यही संकेत करती है कि उसे लेकर पूरी तैयारी की गई थी।

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है,

संभल की ताजा घटनाओं के मूल में भड़काऊ नारे एवं संकीर्ण धार्मिकता के मनसूंबे सामने आये हैं। इस तरह की घटनाओं का बार-बार होना अच्छा नहीं है, मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया।

मंदिर-मस्जिद के एक और मामले ने तनाव की स्थिति उत्पन्न करके शांति एवं सौहार्द को खण्डित किया। यदि मस्जिद पक्ष का यह मानना है कि जामा मस्जिद के सर्वे का आदेश सही नहीं तो उसे ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने के लिए हिंसा का सहारा लेने का कहीं कोई औचित्य नहीं और तब तो बिल्कुल भी नहीं जब निचली अदालत के किसी फैसले के खिलाफ ऊंची अदालतों में जाने का रास्ता खुला हो। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्या कुछ राजनीतिक दल एवं सम्प्रदाय विशेष के लोग किसी भी बहाने भड़कने और हिंसा करने के लिए तैयार बैठे रहते हैं? वास्तव में जैसे यह एक सवाल है कि क्या भारतीय संस्कृति के अस्तित्व एवं अस्मिता से जुड़े इन धार्मिक स्थलों के नाम पर पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी करना जरूरी समझ लिया गया है? इन प्रश्नों पर संकीर्ण धार्मिकता से परे होकर गंभीरता के साथ विचार होना चाहिए। इसी तरह पुलिस प्रशासन को भी यह देखना होगा कि वैमनस्य बढ़ाने वाली घटनाएं क्यों बढ़ती चली जा रही हैं?

यह सही है कि 1991 का पूजा स्थल अधिनियम किसी धार्मिक स्थल में बदलाव का निषेध करता है, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि यह अधिनियम ऐसे किसी स्थल के सर्वेक्षण की अनुमति भी प्रदान करता है और इसी कारण वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वेक्षण हुआ और धार में भोजशाला परिसर का भी। मथुरा में ईदगाह परिसर के सर्वेक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। मंदिर-मस्जिद के विवाद नए नहीं हैं। इन विवादों को सुलझाने की आवश्यकता है। इसका एक तरीका न्यायपालिका का सहारा लेना है और दूसरा आपसी सहमति से विवाद को हल करना। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जहां भी ऐसे विवाद हैं, उन्हें दोनों समुदाय आपस में मिल-बैठकर हल करें। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि समाज में सद्भाव, सौहार्द एवं शांति बनी रहेगी। यह समझा जाना चाहिए कि इन दोनों उपायों के अतिरिक्त हिंसा एवं नफरत कोई उपाय नहीं है। इसी के साथ यह भी समझना होगा कि देश को अतीत से अधिक भविष्य की ओर देखने और मंदिर-मस्जिद विवादों से बाहर निकलने की आवश्यकता है। इससे इन्कार नहीं कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अनगिनत मंदिरों का ध्वंस किया। अतीत में हुए इन ज्यादतियों, अत्याचारों एवं विध्वंस घटनाक्रमों को सुधारने की संभावनाएं किसी भी दृष्टि से गलत नहीं कही जा सकती।

देश का चरित्र बनाना है तथा स्वस्थ, सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण समाज की रचना करनी है तो हमें एक ऐसी आचार संहिता को स्वीकार करना होगा जो जीवन में पवित्रता दे। राष्ट्रीय प्रेम व स्वस्थ समाज की रचना की दृष्टि दे एवं कदाचार-संकीर्णता-कट्टरता के इस अंधेरे कुएँ से निकाले। बिना इसके देश का विकास और भौतिक उपलब्धियां बेमानी हैं। व्यक्ति, परिवार और राष्ट्रीय स्तर पर हमारे इरादों की शुद्धता महत्व रखती है, जबकि हमने इसका राजनीतिकरण कर परिणाम को महत्व दे दिया। घटिया उत्पादन के पर्याय के रूप में जाना जाने वाला जापान आज अपनी जीवन शैली को बदल कर उत्कृष्ट उत्पादन का प्रतीक बन विश्वविख्यात हो गया। यह राष्ट्रीय जीवन शैली की पवित्रता का प्रतीक है। इसी तरह भारत भी आज विश्वविख्यात होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है, तो उसकी बढ़ती साख एवं समझ को खण्डित करने वाली शक्तियों को सावधान करना ही होगा। भारत जैसी माटी में जन्म लेना बड़ी मुश्किल से मिलता है। विश्व बंधुत्व एवं वसुधैव कुटुम्बकम की विचारधारा वाला यह राष्ट्र विभिन्न संस्कृतियों एवं सम्प्रदायों को अपने में समेटे है तो यह यहां के बहुसंख्यक समुदाय की उदार सोच का ही परिणाम रहा है, इसी बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय को आखिर कब तक कमजोर किया जाता रहेगा? क्यों किया जायेगा? कल पर कुछ मत छोड़िए। कल जो बीत गया और कल जो आने वाला है- दोनों ही हमारी पीठ के समान हैं, जिसे हम देख नहीं सकते। आज हमारी हथेली है, जिसकी रेखाओं को हम देख सकते हैं। अब हथेली की रेखाओं को कमजोर करने एवं उसे लहूलुहान होते हुए नहीं देखा जा सकता?

एक सम्प्रदाय विशेष के हिंसक हमलों ने आज तेजी के साथ हिंसा, असहिष्णुता, नफरत, बिखराव और घृणा की साम्प्रदायिक जीवन शैली का रूप ग्रहण कर लिया है। यह खतरनाक स्थिति है, कारण सबको अपनी-अपनी पहचान समाप्त होने का खतरा दिख रहा है। भारत मुस्लिम सम्प्रदायवाद से आतंकित रहा है। आवश्यकता है धर्म को प्रतिष्ठापित करने के बहाने राजनीति का खेल न खेला जाए। धर्म और सम्प्रदाय के भेद को गड्मड् न करें। धर्म सम्प्रदाय से ऊपर है। धर्म में धार्मिकता आये, कट्टरता न आये। राजनीति में सम्प्रदाय न आये, नैतिकता आए, आदर्श आए, श्रेष्ठ मूल्य आएँ, सहिष्णुता आये, सह-अस्तित्व के प्राचीन मूल्य एवं जीवनशैली आये। अत: सम्प्रदायवाद से ऊपर उठकर सार्वभौम धर्म का साक्षात्कार ही हममें नवीन आत्मविश्वास, सशक्त भारत-विकसित भारत का संचार करेगा। उपनिषदों में कहा गया है कि सभी मनुष्य सुखी हों, सभी भयमुक्त हों, सभी एक-दूसरे को भाई समान समझें। यह भारतीय धर्म चिन्तन का निचोड़ है और यही हिन्दू धर्म का निचोड़ है। जहां विश्व एक ही नी?-सा लगे। भारत में हिन्दू-मुस्लिम हित परस्पर टकरा रहे हैं, इसलिए साम्प्रदायिकता बढ़ रही है। धार्मिकता नष्ट हो रही है। साम्प्रदायिकता का जन्म अनेक जटिल तत्वों से जुड़ा है- आर्थिक, धार्मिक एवं मनोवैज्ञानिक। इसमें मनोवैज्ञानिक ज्यादा महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन दिशासूचक बने। गिरजे पर लगा दिशा-सूचक नहीं, वह तो जिधर की हवा होती है उधर ही घूम जाता है। कुतुबनुमा बने, जो हर स्थिति में सही दिशा बताता है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

इमरजेंसी लाइट की तरह रोशनी दिखाता संविधान

भारतीय संविधान इमरजेंसी लाइट की तरह है। जब कभी हालात का घना अंधेरा देश के सामने उलझन जैसी स्थिति पैदा करते हैं, संविधान खुद-ब-खुद उजाला बन सामने हाजिर हो जाता है। संविधान के अंजोर में देश को सही राह दिख जाती है। आपातकाल जैसे एक-आध अपवादों को छोड़ दें तो पचहत्तर साल से यह संविधान हमारे लिए रोशनी की लकीर बना हुआ है। देश के सामने जब भी भटकाव जैसे हालात होते हैं, संविधान से ही आगे बढ़ने की राह निकल आती है।

भारत को स्वाधीनता देने वाले लॉर्ड एटली सरकार के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान ब्रिटिश संसद में पूर्व प्रधानमंत्री और तत्कालीन विपक्षी नेता विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि आजाद होते ही भारत बिखर जाएगा और वहां दुष्टों, बदमाशों और लुटेरों के हाथ चला जाएगा। लेकिन चर्चिल की इस चाहत को स्वाधीन भारत की मनीषा ओर लोकतंत्र ने ध्वस्त कर दिया। दुनिया के विकसित और बड़े माने जाने वाले लोकतंत्रों में भी संवैधानिक व्यवस्था लागू होने या स्वाधीनता के तुरंत बाद समानता के आधार पर वयस्क मतदान का अधिकार नहीं मिला। लेकिन महज 18.33 प्रतिशत साक्षरता वाला देश लोकतंत्र की मजबूत राह पर चल पड़ा। ये सब उपलब्धियां अगर भारतीय लोकतंत्र को हासिल हुई हैं, तो इसकी मजबूत बुनियाद भारतीय संविधान ने रखी। लोकतांत्रिक शासन की बुनियाद पर भारत राष्ट्र की जो मजबूत इमारत खड़ी हुई है, वह मजबूत संवैधानिक बुनियाद के बिना संभव नहीं हो सकता था।

इसी भारतीय संविधान ने 26 नवंबर के दिन 75 साल की यात्रा पूरी कर ली है। 64 लाख रूपए के कुल खर्च और दो साल 11 महीने 18 दिन तक चली बहसों के बाद इसी दिन 1949 में देश ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसके ठीक दो महीने बाद यानी 26 जनवरी 1950 को देश ने इसे लागू किया और तब से यह हमारी लोकतांत्रिक राष्ट्र यात्रा की आत्मा, धड़कन, रक्त बना हुआ है। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अंबेडकर को हमने संविधान के निर्माता के रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन संविधान के निर्माण में 389 सदस्यों के साथ ही बीएन राव जैसे व्यक्तियों का योगदान कम नहीं रहा। भारत को आजादी देना जब तय हुआ, उसके पहले पंडित नेहरू की अगुआई में एक अंतरिम सरकार बनी। उसी अंतरिम सरकार के मुखिया के नाते जवाहरलाल नेहरू और उप-प्रधानमंत्री सरदार पटेल ने कर्नाटक के जाने माने विधिवेत्ता बेनेगल नरसिम्ह राव यानी बीएन राव को विधि सलाहकार के पद पर नियुक्त करके संविधान का प्रारूप तैयार करने की जिम्मेदारी दे दी थी। मद्रास और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से पढ़े राव 1910 में भारतीय सिविल सेवा के लिए चुने गए। साल 1939 में राव को कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने 1944 में उन्हें अपना प्रधानमंत्री बनाया। भारत सरकार के संविधान सलाहकार के नाते उन्होंने वर्ष 1945 से 1946 तक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि की यात्रा की और तमाम देशों के संविधानों का अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने 395 अनुच्छेद वाले संविधान का पहला प्रारूप तैयार करके संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डा. आंबेडकर को सौंप दिया।

29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति की बैठक में कहा गया कि संविधान सलाहकार बीएन राव द्वारा तैयार प्रारूप पर विचार कर उसे संविधान सभा में पारित करने हेतु प्रेषित किया जाए। संविधान सभा में संविधान का अंतिम प्रारूप प्रस्तुत करते हुए 26 नवंबर 1949 को भीमराव आंबेडकर ने जो भाषण दिया था, उसमें उन्होंने संविधान निर्माण का श्रेय बीएन राव को भी दिया है।

भारतीय संविधान की कई विशेषताएं हैं। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ ही राज्यों और संघ के बीच शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत और नीति निर्देशक तत्व इन विशेषताओं में प्रमुख माने जाते हैं। मूल अधिकारों की व्यवस्था के साथ ही कानून के सामने सभी नागरिकों के बराबर होने की बात भारतीय संविधान की ताकत है। भारतीय संविधान कठोर भी है तो लचीला भी है। आजादी के बाद से लेकर अब तक संविधान में 127 संशोधन हो चुके हैं। कुछ जानकार इसे संविधान की कमजोरी बताते हैं तो कई के अनुसार यह संविधान की ताकत है। इन संशोधनों के बहाने तर्क दिया जाता है कि अपना संविधान जड़ नहीं है।

चाहे अच्छाई का संदर्भ हो या कमजोरी का, पूरी तरह अच्छा या बुरा होने का विचार हकीकत नहीं हो सकता। तर्कशास्त्र, दर्शन शास्त्र और अध्यात्म, तीनों की मान्यता है कि पूर्णता का प्रतीक सिर्फ ईश्वर होता है, विचार या व्यक्ति नहीं। कुछ इसी अंदाज में भारतीय संविधान भी कुछ भारतीय विषयों को सही तरीके से चूक गया है। संविधान सभा की आखिरी बैठक के दिन संविधानसभा के सदस्य महावीर त्यागी ने सवाल पूछा था, 'अपने संविधान में कहां हैं गांधी जी, कहां है गांधी के विचार।' बेशक तब तक गांधी की हत्या हो चुकी थी, लेकिन गांधी के विचारों की तासीर तब तक आज की तुलना में कहीं ज्यादा महसूस की जा रही थी। भारतीय आजादी हर भारतीय के संघर्ष का नतीजा है, लेकिन गांधी की अगुआई, उनकी वैचारिक रोशनी और रचनात्मक कार्यों के बिना आजादी की कल्पना भी बेमानी है। दिलचस्प यह है कि संविधान में महावीर त्यागी को गांधी के इन रूपों के दर्शन नहीं हो पाए। दरअसल गांधी भारतीय संविधान में देश की मूल इकाई गांव को बनाना चाहते थे, व्यक्ति को नहीं। भारतीय परंपरा में व्यक्ति की महत्ता तो है, लेकिन वह सामाजिक प्राणी है। व्यक्ति की सामाजिकता का बेहतर रूप ग्रामीण समाज है। लेकिन गांधी के इस विचार को नेहरू ने ही नहीं, अंबेडकर ने भी नकार दिया। नकारने को लेकर दोनों के शब्द बेशक अलग थे, लेकिन उनका बोध एक ही था। दोनों का मानना था कि सदियों से बजबजा रहे गांव भारतीय लोकतंत्र को राह नहीं दिखा सकते। संविधान सभा में कई मुद्दों पर सदस्यों के बीच तीखी बहसें हुईं। आज जिसे हम लोकशाही या नौकरशाही कहते हैं, उसके अधिकारों को लेकर भी तीखी बहस हुई। दिलचस्प यह है कि संविधान सभा के कई सदस्यों को ब्यूरोक्रेसी को संवैधानिक अधिकार संपन्न बनाने पर एतराज था। उनका मानना था कि वे वैसा ही काम करेगी, जैसा अंग्रेजी सरकार के दौरान करती थी। एम ए अयंगार जैसे वरिष्ठ और माननीय सवाल ने नौकरशाही को वेतन और अधिकार की गारंटी देने पर सवाल उठाते हुए पूछा था था कि जब आम आदमी को रोटी और कपड़ा की गारंटी नहीं है, तो उन अधिकारियों को गारंटी क्यों दी जाए, जो विदेशी सत्ता की कठपुतली थी। तब पटेल ने अधिकारियों को ताकत देने का बचाव करते हुए तर्क दिया था कि एक बार अफसरशाही स्थापित हो जाएगी तो अधिकारी बदलाव के लिए राजी हो जाएंगे। लेकिन सवाल यह है कि क्या अधिकारी बदलाव को राजी हुए, क्या वे लोकोन्मुख हुए, क्या उनका व्यवहार पुराने जमींदारों, रजवाड़ों या अंग्रेजों जैसा नहीं है? अपवादों को छोड़ दें तो कितने अधिकारी ऐसे हैं, जो खुद को आम लोगों जैसा मानते हैं और विशेषाधिकार नहीं चाहते ?

भारत की भाषा समस्या का समुचित समाधान संविधान में नहीं दिखता। देसी होकर भी हिंदी अब भी दक्षिण और पूर्व के कुछ राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं बन पाई है और विदेशी अंग्रेजी इस देश की असल ताकतवर और राजभाषा बनी हुई है। हिंदी की जगह भारतीय भाषाओं की बात करने से हिंदी विरोध की आंच धीमी तो हो जाती है, लेकिन अंग्रेजी की ताकत नहीं घटती। अंबेडकर चाहते थे कि संस्कृत राजभाषा हो, लेकिन नेहरू के दबदबे के चलते अपनी राय को मजबूती से रख नहीं पाए।

सोचिए, अगर भारत में व्यक्ति की जगह गांवों को राज्य की इकाई माना गया होता तो क्या होता? संवैधानिक उपबंधों के चलते गांव हमारे विकास प्रक्रिया और शासन की इकाई होते। तब आज का भारतीय परिदृश्य बदला हुआ होता। भारतीयता की सोंधी गमक के साथ अंदरूनी पलायन और बेरोजगारी जैसी समस्याएं काबू में रहतीं। अधिसंख्य जनसंख्या गांवों में ही रहती। शहरीकरण तेज नहीं होता और जनसांख्यिकी दबाव से शहरी ढांचा चरमरा नहीं रहा होता। इसी तरह अगर अफसरशाही को संवैधानिक गारंटी नहीं मिली होती तो बराबरी का भाव कहीं ज्यादा होता, तब अफसरशाही माने भ्रष्टाचार नहीं होता, तब हर रोग की जड़ी और इलाज अफसरशाही को ही नहीं माना जाता। समाज और व्यवस्था के सबसे बड़ी योग्यता अफसरशाही नहीं होती, तब सामाजिक परिदृश्य बदला होता। इसी तरह भाषाओं को लेकर आए दिन होने वाली लड़ाइयों की गुंजाइश नहीं होती।

- उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

राशिफल

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष : द्वादशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। स्वास्थ्य आपका अच्छा चल रहा है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। जबकि आराम-तलब चीजें लग्जरी आइटम की बढ़ोत्तरी होगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जो भी आपने सोचा है, उसे व्यावसायिक रूप से लागू करें। लाभ होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम-संतान अच्छा और व्यापार अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
धन का आवक भी बढ़ेगा, लेकिन खर्च की अधिकता हो सकती है। अगर खर्च किया, तो नुकसान भी होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
पॉजिटिव ऊर्जा आपके अंदर बहुत अच्छी चल रही है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा चल रहा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च की अधिकता रहेगी। मन परेशान रहेगा। फिर भी एक रौब और रुआब आपके अंदर बना रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक मामले सुलझेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी न करें। सिर दर्द,नेत्र पीड़ा संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यावसायिक, व्यापारिक संतुलन बनेगा। तरक्की करेंगे। जो भी सरकारी तंत्र है, कोर्ट-कचहरी है, राजनीतिक है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान बहुत अच्छा है और व्यापार बहुत अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं एक दिन बस, उसके बाद सबकुछ अच्छा हो जाएगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
आनंददायक जीवन गुजरेगा। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा।

सपाइयों ने मनाया संविधान दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर

संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन कर भारत के संविधान की विशेषताओं पर चर्चा की गई।

इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि संविधान के बारे में लोगों को जागरूक करने और संविधान के महत्व व आंबेडकर के विचारों और अवधारणाओं को फैलाने के उद्देश्य से संविधान दिवस मनाया जाता है। भारत का संविधान देश के नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को बोध कराता है साथ ही सरकार के विभिन्न अंगों के अधिकार और कर्तव्यों को परिभाषित करता है। प्रत्येक वर्ष भारतीय संविधान के बारे में लोगों को जागरूक करने और संविधान के महत्व व डॉ आंबेडकर के विचारों और अवधारणाओं को फैलाने के उद्देश्य से संविधान दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद भारतीय संविधान के जनक डा. भीमराव आंबेडकर के विचारों को फैलाना है। आज जिस तरह से भाजपा द्वारा देश और प्रदेश में संविधान को समाप्त करने की साजिश की जा रही है, वह भारतीय लोकतंत्र के लिए घातक है भाजपा सरकार।

इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे महान संविधान है और देश के प्रत्येक नागरिक को इस पर गर्व है। लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाली वर्तमान केंद्र और प्रदेश की सरकार संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ा रही हैं और संविधान में दिए गए वंचितों, शोषितों, पिछड़ों और दलितों को दिए गए अधिकारों को छीनने का काम कर रही है। भाजपा की नीतियों से आज देश में संविधान खतरे में है।

इस मौके पर मुख्य रुप से समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय सचिव रामशरण नागर, यूनुस प्रधान, विनोद लोहिया, अमित रौनी, मेहंदी हसन, कपिल ननका, विक्रम टाईगर, अकबर खान, जुगती सिंह, मोहित यादव, सुनील भाटी, लाल सिंह गौतम, गजेंद्र यादव, वीरू नागर, यशपाल भाटी, नितिन नागर, प्रेमपाल रावल, वकील सिद्दकी, जावेद अंसारी, उपेंद्र यादव, बालेश्वर बाल्मीकि, असगर प्रधान, इंद्रराज सिंह, अरबाज, सलीम, दीपक कुमार आदि मौजूद रहे।

भारत का संविधान हमारे देश की मूल आत्मा है : दीपक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर कैम्प कार्यालय

बिसरख पर संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संविधान दिवस कार्यक्रम में प्रख्यात पर्यावरणविद विक्रांत तौंगड़ विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए, शिक्षा क्षेत्र से जुडी महिला शिक्षकों को विशेष तौर पर आमंत्रित कर संविधान दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया व संविधान की प्रति भी भेंट की गयी।

जिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने संविधान दिवस पर अपने सम्बोधन में कहा कि भारत का संविधान हमारे देश की मूल आत्मा है संविधान के साये में ही हमारे देश में प्रामाणिक तौर पर बन्धुत्वता और सामाजिक सौहार्द बना हुआ है। संविधान प्रत्येक भारतवासी को समानता के भाव के साथ समानता का अधिकार प्रदान करता है जो मौलिक अधिकार हमें प्राप्त हैं वो आज भी वैश्विक नजरिये में बहु प्रासंगिक हैं।

जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कहा कि कुछ सत्तानशीं ताकते हाल में राजनितिक सत्ता का इस्तेमाल करते हुए संविधान को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं कांग्रेस पार्टी हमारे नेता राहुल गाँधी के नेतृत्व में ऐसे किसी भी प्रयास को विफल करने में सक्षम है, यदि संविधान कमजोर हो गया तो संसद आवारा हो जाएगी और ऐसा हम नहीं होने दे सकते।

विशिष्ट अतिथि पर्यावरणविद विक्रांत तौंगड़ ने कहा की प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती है यदि भूजल दोहन रोकने के प्रयास तो इसके सबसे बड़ा श्रेय संविधान को ही जाता है उन्होंने कहा कि पर्यावरण को लेकर तमाम जो संघर्ष सफल हुए क्योंकि प्रत्येक नागरिक को संविधान संरक्षण प्रदान करता है।

इस अवसर पर संविधान दिवस कार्यक्रम में डॉ0 रतनपाल सिंह, दुष्यंत नागर, एम0 एल0 वर्मा, उर्मिला चौधरी, सतीश शर्मा, निशा शर्मा, धर्म सिंह बाल्मीकि, महाराज सिंह नागर, नितीश चौधरी, नीरज लोहिया, मुकेश शर्मा, गौतम सिंह, गौरव लोहिया, कपिल भाटी, मोहित भाटी एडवोकेट, रमेश बाल्मीकि, रूपेश भाटी, मुन्ना सिंह, अरविन्द रेक्सवाल, अरुण भाटी, सुबोध भट्ट, सूबेदार सतपाल सिंह, डॉ0 रघुराज शर्मा, सचिन भाटी, धीरे सिंह, सचिन, रमेश चंद, अमित कुमार, लोकेश भाटी, अमित भाटी, सचिन भाटी एडवोकेट,विशाल, रिंकल कसाना, नितिन त्यागी, ओमप्रकाश, अक्षय, आर0 एन सिंह, ओमप्रकाश यादव, नन्हे राम, मुन्न सिंह, हरीप्रकाश, कुंवर सिंह, शिवम् वर्मा, उपेंद्र सिंह, सुनील, छगणद्रपाल प्रधान, रघुवीर सिंह प्रधान, अजीत सिंह, राहुल कुमार, अनुशूल तंवर, प्रवीण तंवर, सौरभ, हर्षित सिंह, अजीत सिंह, अर्पित यादव, राजकुमार, अमित कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धरना स्थल पर मना संविधान दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के महापड़ाव के दूसरे दिन धरना स्थल पर

संविधान दिवस एवं किसान मोर्चा के दिल्ली आंदोलन की चौथी वर्षगांठ मनाई गई। महापड़ाव की अध्यक्षता तिलक देवी ने व संचालन जगबीर नंबरदार ने किया।

महापड़ाव पर 26 नवंबर के संविधान दिवस को मनाया गया। साथ ही 26 नवंबर को संयुक्त किसान मोर्चा की चौथी वर्षगांठ के उपलक्ष्य के तौर पर किसान विजय दिवस के तौर पर भी मनाया गया। ग़ौरतलब है कि किसान आंदोलन के दबाव के कारण केंद्र सरकार ने तीन काले कानून वापस लिए थे। संयुक्त किसान मोर्चा के सभी 10 घटक संगठनों ने 10 प्रतिशत आबादी प्लाट, नये भूमि अधिग्रहण कानून के सभी लाभों को लागू करने एवं हाई पावर कमेटी द्वारा दी गई सकारात्मक सिफारिशों को तुरंत लागू करने की मांग को दोहराते हुए कहा कि जब तक उक्त तीनों मुद्दे हल नहीं होते महापडाव जारी रहेगा।

नेताओं ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने गोरखपुर के इलाके में बन रहे हाईवे के लिए चार गुना मुआवजा दिया है जबकि गौतमबुद्धनगर को चार गुना मुआवजे के लाभ से वंचित रखा गया है इतना ही नहीं 10 साल से सर्किल रेट भी नहीं बढ़े हैं।

रक्तदान शिविर आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत विकास परिषद ने अपने

स्थापना दिवस पर रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के संयुक्त तत्वाधान में एक ब्लड डोनेशन कैंप मंगलमय इंस्टीट्यूट नॉलेज पार्क ग्रेटर नोएडा में लगाया।

भारत विकास परिषद की अध्यक्ष सविता शर्मा ने बताया कि भारत विकास परिषद गौतमबुद्ध शाखा का स्थापना दिवस मनाया जाता है। जिस क्रम में रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा आज ब्लड डोनेशन कैंप व कैलाश हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा द्वारा स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया।

रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष मुकुल गोयल ने बताया रक्तदान शिविर में 102 बच्चो ने रजिस्ट्रेशन कराया जिसमें 42 बच्चे हीमोग्लोबिन कम व अन्य कारणों से रक्तदान नहीं कर पाए ।

ब्लड डोनेशन कैंप में 60 बहुमूल्य यूनिट एकत्रित हुई व सभी बच्चो द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का लाभ उठाया । जिसमें कैलाश हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के जनरल फिजिशियन, आँख की जाँच, सर्जन व अन्य डॉक्टर उपस्थित रहे।

कैंप में सविता शर्मा, अजेय गुप्ता, मुकुल गोयल, आशुतोष गुप्ता, विकास गर्ग, अनूप वर्मा, शैलेश वाष्णेय, पदमा वर्मा, विनय गुप्ता, कपिल गर्ग, आदित्य अग्रवाल, गिरीश गुप्ता, गौरव बंसल, मंगलमय इंस्टीट्यूट के चेयरमैन, डायरेक्टर व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

भाजपा ने मनाया संविधान दिवस

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने जिला

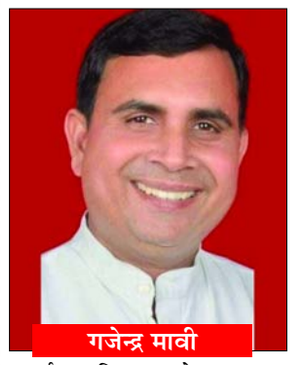

कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर 75 वें भारतीय संविधान दिवस पर संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की संविधान दिवस संगोष्ठी कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया।

संगोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा देश संविधान से चल रहा है। भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर ने संविधान लिखकर भारत को दिया और उन्होंने शोषित वंचितों के लिये काम किया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा भीमराव अंबेडकर जी की धरोहर को जीवित रखते हुए पंचतीर्थि पहल का शुभारंभ कर अंबेडकर जी के पाँच प्रमुख स्थानों का पुनरुद्धार महु जन्म भूमि लंदन शिक्षा भूमि नागपुर दीक्षा भूमि मुम्बई चैत्य भूमि दिल्ली महापरिनिर्वाण भूमि स्थल का पुनरुद्धार कर उनके विषय में लोगो को बताने का कार्य किया ।

इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महामंत्री मनोज गर्ग धर्मेन्द्र कोरी योगेश चौधरी जिला उपाध्यक्ष सुनील भाटी पवन रावल सतेंद्र नागर सेवानंद शर्मा राहुल पंडित मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य राज नागर पवन नागर पंकज रावल सत्यपाल शर्मा गुरुदेव भाटी अमित शर्मा रवि जिन्दल रिंकु भाटी सचिन शर्मा सुनील शर्मा महेश शर्मा मनोज भाटी दिनेश भाटी राजीव सिंघल श्यामवीर भाटी संजय भाटी मुकेश चौहान मनोज प्रधान आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

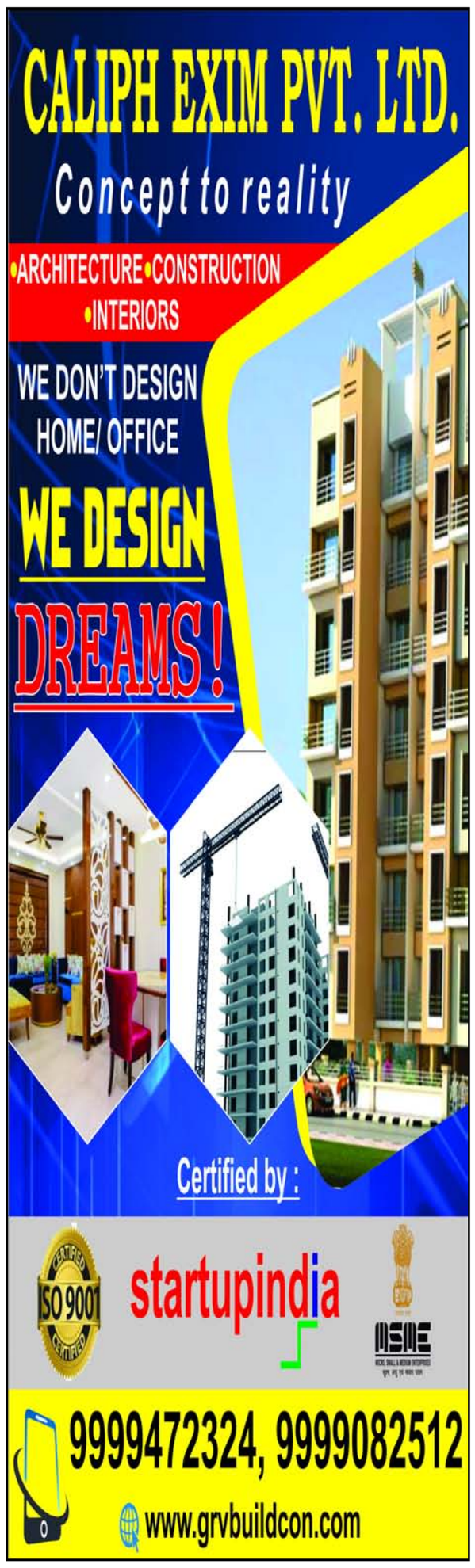

तीन दिवसीय कुश्ती का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उम्मीद संस्था ने उत्तर प्रदेश सब-जूनियर बालिका कुश्ती

प्रतियोगिता में मेरठ मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए गांव दुजाना की बेटी वंशिका नागर को 69 किलोग्राम भार वर्ग में मुरादाबाद में तीन दिवसीय कुश्ती का आयोजन हुआ जिसमें कांस्य पदक जीतने पर फूल माला पेन डायरी देकर सम्मानित किया।

उम्मीद संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर और किसान नेता राजकुमार रूपबास ने कहा कि बेटियों को अवसर मिलने पर वे समाज और देश का गौरव बढ़ाती हैं। उन्होंने बेटियों को अच्छी शिक्षा, समानता, और सम्मान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। बेटियों को शिक्षा और खेल में बढ़ावा दें जिससे वह आत्मनिर्भरता और सशक्त बनकर समाज का नेतृत्व करें संस्था के संरक्षक मास्टर ब्रह्म सिंह ने कहा कि बेटियों की शिक्षा बढ़ेगी तो शोषण काम होगा।

इस मौके पर मुख्य रूप से जयपाल सिंह, देशराज सिंह, बालचंद नागर, प्रदीप मुकदम, नारायण सिंह, पवन कुमार, प्रेम सिंह, महाराज सिंह, मास्टर ब्रह्म सिंह,राधे, रामपाल सिंह, निर्देश, मास्टर हुकम सिंह आर्य,राजकुमार रूपबास, डॉ देवेंद्र कुमार आदि लोग मौजूद थे।

इफको के प्रबंध निदेशक डॉ उदय शंकर अवस्थी रोशडेल पायनियर अवार्ड से सम्मानित

प्रयागराज (ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता समिति आइसीए की ओर से इफको के प्रबंध निदेशक, सीईओ डा. उदय शंकर अवस्थी को इंटरनेशनल अवार्ड रोशडेल पायनियर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया तो इफको फूलपुर में खुशी की लहर दौड़ गई। कर्मचारियों व अधिकारियों ने एक दूसरे को बधाई दी।

इफको फूलपुर के कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने बताया कि आज भारतीय सहकारी समितियों की न केवल सहकार शक्ति पूरी दुनिया में यशस्वी हुई बल्कि यह इफको परिवार के लिए भी गौरवशाली क्षण है। इस पुरस्कार से भारत की आठ लाख सहकारी समितियों के साथ उनसे जुड़े लोग अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे है।

बता दें कि आइसीए बोर्ड ने साल 2000 में रोशडेल पायनियर्स अवार्ड की स्थापना की। यह पुरस्कार किसी उस व्यक्ति या सहकारी संगठन को दिया जाता है जिसका अभिनव अभूतपूर्व और वित्तीय रूप से टिकाऊ सहकारी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान हो ।

ये गर्व की बात है कि पहला पुरस्कार 2001 में श्वेतक्रांति के जनक भारत के डॉ वर्गीस कुरियन को दिया गया। 23 वर्षों की रिक्ति को भरते हुए डॉ अवस्थी दूसरे भारतीय है।सहकारिता के प्रति समर्पित डॉ अवस्थी इफको को उर्वरक उद्योग में वैश्विक अगुआ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पुरस्कार मंगलवार को भारत मन्डपम नई दिल्ली में प्रधान किया गया जिसका 105 देशों के प्रतिनिधि साक्षी बने।

इस उपलब्धि पर इफको फूलपुर में जश्न का माहौल है। आल इंडिया इफको आफिसर्स फेडरेशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी, इफको फूलपुर अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, महामंत्री स्वयं प्रकाश, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पांडेय, महामंत्री विजय यादव, एचआर प्रमुख शंभू शेखर अधिकारियों कर्मचारियों ने एक दूसरे को बधाई दिए। बताया कि रोशडेल पायनियर सम्मान हर इफको कर्मचारी की निजी उपलब्धि है ।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कामर्शियल काम्पलेक्स, ब्लाक-पी-2, सैक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, पिन कोड 201308 जिला- गौतमबुद्धनगर उ0प्र0

दूरभाष नं0-0120-2395153, फैक्स नं0-0120-2395150

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एल0एफ0डी0 परियोजना के अन्तर्गत आवंटित भवन/ भूखण्ड सं0-AMN0080502 IN AMAN TOWE N-08 AT JAYPEE GREEN AMAN, SECTOR-151, AREA-120.12 SQM जोकि MR. Mr Vikas Sikka के नाम पर सबलीज डीड है। सबलेसी LATE Mr. Vikas Sikka की मृत्यु उपरान्त उक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग को उनकी बहन MRS. Aanchal Singh के पक्ष में नामांतरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया गया है।

अत: इस नामांतरण (Death Mutation) के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति है तो प्रकाशन कि तिथि से 35 दिनों के भीतर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में Mr. Vikas Sikka के संपूर्ण भाग को उनकी बहन MRS. Aanchal Singh के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (सम्पत्ति)
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्याः एनईआर-एसएण्डटी-प्रोजेक्ट-BSB-02-2024,

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/ प्रोजेक्ट/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-टेंडर के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिये टेन्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से निविदायें आमंत्रित करते हैं:-

• निविदा सूचना संख्याः एनईआर-एसएण्डटी-प्रोजेक्ट-BSB-02-2024, कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के निकटवर्ती स्टेशनों भटनी जं०-पचरूखी (सहित) खंड पर संबंधित कार्यो के साथ-साथ निरंतर ट्रैक सर्किटिंग के लिये मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर का उपयोग करके स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग कार्य के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिये समग्र कार्य। अनुमानित लागतः ₹ 41,96,13,090.53, बयाना राशिः ₹ 22,48,100/-, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह, निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः दिनांक 23-12-2024, 15:00 बजे।

नोटः (1) बयाना राशि एवं ऑफर की वैधता निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन होना चाहिये। (2) वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है। (3) बोली सुरक्षा राशि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जायेगी या भारत के एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जायेगी या निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अनुसार होगी। बैंक गारंटी बांड अनुबंध-1.1 (निविदा दस्तावेज) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के समाप्त होने के 90 दिनों से परे की अवधि के लिये मान्य होगा।

उपमुसिदूइं/प्रोजेक्ट
मुजाधि/सिगनल-71 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडर, निविदा सूचना संख्या एनईआर_एसएण्डटी_प्रोजेक्ट_BSB_03_2024

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/ प्रोजेक्ट/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-टेन्डर के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए टेन्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से निविदाएं आमंत्रित करते हैं- निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरणः एनईआर_एसएण्डटी_प्रोजेक्ट_BSB_03_2024, कार्य का नामः "पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के निकटवर्ती स्टेशनों पचरूखी-छपरा जंक्शन (छोड़कर) खंड पर संबंधित कार्यों के साथ-साथ निरंतर ट्रैक सर्किटिंग के लिए मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर का उपयोग करके स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग कार्य के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए समग्र कार्य, अनुमानित लागत (₹): ₹ 42,62,84,039.14, बयाना राशि (₹): ₹ 22,81,400.00, स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह, निविदा बंद होने की तिथि एवं समयः दिनांक 23.12.2024, 15.00 hrs. नोटः 1. बयाना राशि एवं ऑफर की वैधता निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन होना चाहिए। 2. वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर विस्तृत निविदा सूचना, योग्यता मापदंड, नियम एवं शर्तें देखी जा सकती है। 3. बोली सुरक्षा राशि या तो ई-भुगतान गेटवे के माध्यम से नकद में जमा की जाएगी या भारत के एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक से बैंक गारंटी बांड के रूप में प्रस्तुत की जाएगी या निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित अनुसार होगी। बैंक गारंटी बांड अनुबंध-1.1 (निविदा दस्तावेज) के अनुसार होगा और बोली की वैधता अवधि के समाप्त होने के 90 दिनों से परे की अवधि के लिए मान्य होगा।

उप मुसिदूइं/प्रोजेक्ट/
मुजाधि/सिगनल-72 वाराणसी

"ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें"

गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया हर शेयर पर देगी 35 रुपए का डिविडेंड

- बीते एक साल में कंपनी का शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है

नई दिल्ली ।

विश्व की जानी मानी सिगरेट बनाने वाली कंपनी गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया रेड स्क्वायर, रेड एंड व्हाइट, कैवेंडर्स, स्टेलर और फोकस जैसे ब्रांड नाम से सिगरेट बनाती है। अब कंपनी ने बड़ा ऐलान किया है। सिगरेट और तंबाकू प्रोडक्ट्स बेचने वाली यह कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 35 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने वाली है। डिविडेंड का ऐलान कंपनी के बोर्ड की हाल ही में हुई मीटिंग के बाद किया था। अंतरिम डिविडेंड को लेकर शेयरहोल्डर्स की पात्रता तय करने के लिए रिकॉर्ड डेट 29 नवंबर है। इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के नाम शेयरों के लाभार्थी मालिकों के तौर पर रजिस्टर ऑफ मेंबर्स ऑफ द कंपनी या डिपॉजिटरीज के रिकॉर्ड्स में होंगे, वे डिविडेंड पाने के हकदार होंगे। गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया का कहना है कि वह पात्र शेयरहोल्डर्स को डिविडेंड का भुगतान 19 नवंबर की तारीख से शुरू होने वाली 30 दिन की अवधि में कर देगी। यह कंपनी मोदी एंटरप्राइजेज-केके मोदी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। यह भारत की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में शामिल है। गॉडफ्रे शेयर एक मल्टीबैगर स्टॉक है। एक साल में इस शेयर ने निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। बीते एक साल में शेयर 173 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। वहीं एक सप्ताह

में कीमत 8 फीसदी गिरावट आई है। कंपनी के शेयर की कीमत पिछले शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 5,623 रुपये पर बंद हुई। कंपनी का मार्केट कैप 29200 करोड़ रुपये है।

सीएनजी के दाम 4 रुपए प्रति किलो तक बढ़े

- एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली ।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सीएनजी की कीमतों में 1.5 रुपये से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की घोषणा कंपनी ने की है। आईजीएल ने इस मूल्य वृद्धि से दिल्ली को दूर रखा है, वहीं एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में सीएनजी की कीमत में इजाफा किया है।

कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी से आईजीएल के ऑपरेशन वाले लगभग 30 फीसदी क्षेत्रों पर असर पड़ने की उम्मीद है। कंपनी की कुल सीएनजी खपत का 70 फीसदी हिस्सा दिल्ली से आता है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुड़गांव, करनाल और कैथल में 2 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। राजस्थान के अजमेर, पाली और राजसमंद में 1.5 रुपये प्रति किलो की वृद्धि की है। मुजफ्फरनगर, मेरठ, शामली, महोबा, बांदा और चित्रकूट में आईजीएल ने सीएनती का भाव 3 रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाया है। मुंबई में पहले ही सीएनजी की कीमतें बढ़ चुकी हैं। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मुंबई में सीएनजी की कीमतें 2 रुपये प्रतिकिलोग्राम बढ़ाकर 75 रुपये प्रति किलो से 77 रुपये कर दिया है। आईजीएल और एमजीएल ने सीएनजी के भाव सरकार के 16 नवंबर से पुरानी गैस फील्ड से मिलने वाली सस्ती प्राकृतिक गैस की सप्लाई में 20 फीसदी की कटौती करने के बाद की है।

इससे पहले 16 अक्टूबर को भी सप्लाई में 21 फीसदी की कटौती की गई थी। इन कटौतियों के बाद आईजीएल, एमजीएल और अडानी टोटल गैस जैसी गैस कंपनियों ने अपनी प्रॉफिटेबिलिटी पर असर पड़ने की आशंका जताई थी।

देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ीं

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से सोमवार को देश के कई शहरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दिख रही है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को सुबह जारी रेट में बदलाव किया है और दिल्ली के आसपास के शहरों में भी भाव बदल गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में जहां तेल के दाम बढ़े हैं तो पास के गाजियाबाद और गुरुग्राम जिले में तेल सस्ता हो गया है। हालांकि, दिल्ली सहित देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 11 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 12 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे गिरकर 94.53 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 14 पैसे टूटकर 87.61 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 15 पैसे सस्ता हो गया और 95.02 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 14 पैसे फिसलकर 87.88 रुपये लीटर हो गया है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली बदलाव हुआ है। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़त के साथ 75.14 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ले यूटीआई भी थोड़ा चढ़कर 71.23 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.98 रुपये और डीजल 88.13 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.02 रुपये और डीजल 87.88 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हुए एलन मस्क

-334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के हो गए हैं मालिक

सैन फ्रांसिस्को।

राजा-महाराजाओं को पीछे छोडते हुए मशहूर उदयोगपति एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हो गए है। अमेरिका की टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने एक और कीर्तिमान रच दिया है। एलन मस्क इतिहास में अब तक के सबसे अमीर शख्स हो गए हैं।

फोर्ब्स के अनुसार, वह अब 334.3 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हो गए हैं। एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी का कारण टेस्ला के शेयरों में आया तगड़ा उछाल है। माना जा रहा है कि यूएस के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई ऐसी नीतियां लागू करेंगे जो व्यवसायियों को समर्थन देंगी। यह बात जगजाहिर है कि ट्रंप और मस्क के बीच काफी अच्छे संबंध हैं।

इसलिए बाजार को उम्मीद है कि उन नीतियों का सीधा प्रभाव टेस्ला पर सकारात्मक रूप से पड़ेगा। इसी उम्मीद में टेस्ला के शेयरों में रैली देखी जा रही है। टेस्ला के शेयर यूएस में राष्ट्रपति चुनाव की शुरुआत से अब तक 40 फीसदी तक चढ़ चुके हैं। इसमें शुक्रवार को शेयरों में आया 3.8 फीसदी का उछाल भी शामिल है। शुक्रवार को टेस्ला के शेयर 352.56 डॉलर पर पहुंच गए। यह टेस्ला के स्टॉक्स की 3 साल की सर्वाधिक वैल्यू है। नतीजतन, मस्क की वेल्थ में 7 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी नेटवर्थ 320.3 अरब डॉलर से आगे निकल गई। नवंबर 2021 में उनकी नेटवर्थ 320 अरब डॉलर हुई थी जो इससे पहले तक उनकी सर्वाधिक नेटवर्थ थी। मस्क की नेटवर्थ का एक बड़ा हिस्सा टेस्ला में उनकी 13 फीसदी हिस्सेदारी और 9 फीसदी इक्विटी अवॉर्ड की वजह से आता है।एलन मस्क ने राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन किया।

उन्होंने ट्रंप के कैंपेन में 10 करोड़ डॉलर का योगदान भी दिया।

अदाणी समूह ने अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए

- अदाणी समूह की कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली ।

गौतम अदाणी के समूह ने निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने सोमवार को अपनी पोर्टफोलियो कंपनियों के वित्तीय और ऋण विवरण जारी किए। इस घोषणा के माध्यम से कंपनी ने अपने मजबूत मुनाफे और नकदी प्रवाह की बढ़त को दर्शाया। अदाणी समूह के कंपनियों ने बंदरगाहों से लेकर ऊर्जा तक के कारोबार में निवेश को बढ़ावा दिया है। कंपनी के अनुसार वे अब अपनी विकास की गति को बनाए रख सकते हैं बिना ऋण पर निर्भर होने की दरकार। हाल ही में गौतम अदाणी और दो अन्य अधिकारियों के खिलाफ अमेरिकी अदालत में सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप है। समूह की कुल संपत्ति में इक्विटी का योगदान करीब दो तिहाई है, जो पांच साल पहले की तुलना में काफी अलग है। समूह ने पिछले 12 महीनों में करीब 75,227 करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि कुल कर्ज में सिर्फ 16,882 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। अदाणी समूह ने अपने निवेशकों के साथ एक नोट भी साझा किया है, जिसमें कहा गया है कि वे कम से कम 12 महीनों के लिए सभी ऋण सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त तरलता रखते हैं। अदाणी समूह की लिक्विडिटी से जुड़े एक नोट में कहा गया है कि उनके पास 53,024 करोड़ रुपये की नकदी है, जो इसके कुल सकल बकाया ऋण का 21 प्रतिशत है।

समूह ने अगले 10 वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की योजना बनाई है और उनकी लाभदायकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए धारिता की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है।

नेपाल का व्यापार घाटा 460 अरब के पार

काठमांडू ।

नेपाल का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में 460 अरब रुपये से अधिक हो गया है। सीमा शुल्क विभाग के आंकड़ों के अनुसार नेपाल ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के दौरान 513.38 अरब रुपये के सामान का आयात किया, जबकि निर्यात केवल 52.67 अरब रुपये तक ही रहा। विभाग के अनुसार नेपाल ने चार महीनों में कुल 566.5 अरब रुपये के विदेशी व्यापार में 460.71 अरब रुपये का व्यापार घाटा देखा। आंकड़ों के अनुसार पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में आयात 0.17 प्रतिशत बढ़ा, जबकि निर्यात में 4.16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में नेपाल का भारत के साथ व्यापार घाटा 281 अरब रुपये को पार कर गया है। इस अवधि के दौरान नेपाल ने भारत से करीब 317 अरब रुपये का सामान आयात किया, जबकि उसने भारत को सिर्फ 36 अरब रुपये का सामान निर्यात किया। इन चार महीनों में नेपाल ने 29.4 अरब रुपये का डीजल, 21.56 अरब रुपये का पेट्रोल और 18.85 अरब रुपये का एलपीजी आयात किया।

भारत और नॉर्वे के बीच टेपा समझौते पर हुई चर्चा

- व्यापारिक संबंधों को और प्रगति देने की योजना बनाई

नई दिल्ली । भारत के वाणिज्य सचिव सुनील भार्थवाल ने हाल ही में नॉर्वे का दौरा किया। उनका यह दौरा भारत-यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ ईएफटीए देशों के साथ व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौता (टेपा) लागू करने में तेजी लाने और 100 अरब डॉलर के निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से था। भार्थवाल का नॉर्वे दौरा भारत और ईएफटीए देशों के बीच टेपा समझौते को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए था। इस समझौते के तहत, भारत को ईएफटीए देशों के बाजारों में अपने उत्पादों और सेवाओं के निर्यात के लिए 99.6 प्रतिशत बाजार का अधिकार मिलेगा। इसमें गैर-कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर महत्वपूर्ण टैक्स छूट दी जाएगी। भारत ने ईएफटीए देशों को 82.7 प्रतिशत अपनी टैक्स लाइनों की पेशकश की है, जो ईएफटीए के निर्यात का 95.3 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। भारत ने ईएफटीए के लिए 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जबकि नॉर्वे ने 114 क्षेत्रों में प्रतिबद्धता की है। भार्थवाल ने नॉर्वे में टॉमस नॉर्वोल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इन बैठकों में मुख्य रूप से व्यापार संबंधों को बढ़ावा देना भारतीय निर्यात को प्रोत्साहन देना, और टेपा के अनुमोदन में तेजी लाने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा वाणिज्य सचिव ने नॉर्वेजियन संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की और समझौते के संभावित लाभों पर जोर दिया।

अमेरिकी चुनाव के परिणाम ने बढ़ाई बिटकॉइन की चमक

2011 में जिस निवेशक ने 100 रुपये लगाया आज वह है 1.65 करोड़ का मालिक

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बाद दुनिया भर में क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की चर्चा में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इलेक्शन रिजल्ट्स के बाद से ही बिटकॉइन की कीमत में जोरदार उछाल देखा जा रहा है। साल 2011 को जब बिटकॉइन की कीमत केवल 1 डॉलर थी, यह क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ने वाले एक निवेशक ने सिर्फ 100 रुपये निवेश किए थे, जिसका वर्तमान मूल्य लगभग 1.65 करोड़ रुपये है. बिटकॉइन का सफर साल 2009 में शुरू हुआ था और आज साल 2024 में इसकी कीमत 1 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच चुकी है। 24 नवंबर को बिटकॉइन की कीमत 97,654.9 डॉलर (लगभग 82.43 लाख रुपये) थी। इस चौंकाने वाली बढ़ोतरी के साथ बिटकॉइन ने महामारी के समय में भी दिखाया कि यह एक सुरक्षित निवेश हो सकता है। साल 2020 में जब दुनिया में महामारी, लॉकडाउन और आर्थिक संकट थे, तब इस क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में 400 फीसदी तक की वृद्धि देखने को मिली। साल 2021 में भी बिटकॉइन ने नए उच्चांक स्थापित किए और आई जनवरी में कीमत 40,000 डॉलर पर पहुंची और अप्रैल तक 60,000 डॉलर के पार पहुंच गई। माना जा रहा है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति ने बिटकॉइन के समर्थन में वादा किया था, जिसके बाद से बिटकॉइन की कीमत में 40 फीसदी तक की वृद्धि आई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 992 , निफ्टी 314 अंक ऊपर आया

निवेशकों को 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसके अलावा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में सत्ताधारी भाजपा गठबंधन की जीत से भी निवेशकों का भरोसा बना है जिससे बाजार को बल मिला। इससे एक ही दिन में 7 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। आज कारोबार के दौरान रिलायंस, एचडीएफसी बैंक के शेयर भी ऊपर आये।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स आज 1.25 फीसदी तकरीबन 992.74 अंक बढ़कर 80,109.85 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 1.32 फीसदी तकरीबन 314.65 अंक ऊपर आकर 24,221.90 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 50 कंपनियों में से 43 के शेयर लाभ पर बंद हुए आज कारोबार के दौरानप सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर 4 फीसदी से अधिक ऊपर आया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक, अदानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, मारुति, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक के शेयर फिसलकर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह

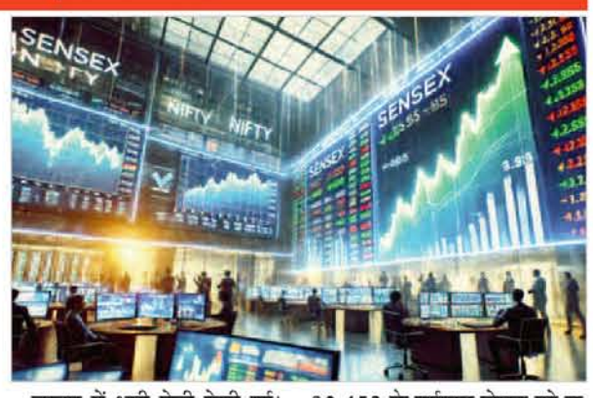

बाजार में भारी तेजी देखी गई। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1200 से ज्यादा अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी 24,300 के पार पहुंच गया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत से निवेशकों की धारणा को बढ़ावा मिला है। सेंसेक्स उछाल के साथ 80,193 अंक पर खुला और सुबह के कारोबार में 80,452 के हाईएस्ट लेवल को छू गया। इंट्राडे में सेंसेक्स में 1,355 अंक की बढ़त दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी-50 भी जोरदार उछाल के साथ 24,253.55 अंक पर खुला और ओपनिंग बेल के कुछ ही मिनटों के भीतर 24,330 के इंट्राडे हाई को छू लिया। इस दौरान निफ्टी में 400 से ज्यादा अंक तक उछाल आया।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी ने आईपीओ से पहले जुटाए 110 करोड़

नई दिल्ली । सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस ने वैल्यूक्वेस्ट इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स सहित कई निवेशकों से आईपीओ से पहले करीब 110 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसके साथ ही कंपनी के निर्धारित आईपीओ के नए निर्गम घटक को पहले अनुमानित 550 करोड़ रुपये से घटाकर 440 करोड़ रुपये कर दिया गया है। सौर ऊर्जा समाधान प्रदाता ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक घोषणा में कहा कि उसने हाल ही में निवेशकों को 352.05 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 31.24 लाख शेयर आवंटित किए हैं, जिससे लेनदेन का कुल आकार 109.99 करोड़ रुपये हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण सेवाओं में विशेषज्ञता रखती है।

सोना और चांदी के भाव में नरमी

- सोने का भाव 76,600 रुपए, चांदी 89,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली । इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में नरमी देखी जा रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 89,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सुस्त शुरुआत के बाद सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 616 रुपये की गिरावट के साथ 77,000 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 1,043 रुपये की गिरावट के साथ 76,573 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 435 रुपये की गिरावट के साथ 90,333 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,345 रुपये की गिरावट के साथ 89,423 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,716.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,712.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 41.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,671.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.40 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.33 डॉलर था। इस समय यह 0.50 डॉलर की गिरावट के साथ 30.83 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख वापस करे बैंक: हाईकोर्ट

- हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान भी करे

नई दिल्ली ।

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को निर्देश दिया है कि वह साइबर धोखाधड़ी के शिकार 55 वर्षीय व्यक्ति के खाते से गायब हुए 2.6 लाख रुपये वापस करे। यह मामला 2021 में सामने आया था, जब याचिकाकर्ता एक फिशिंग और विशिंग हमले का शिकार हुआ। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि बैंक उक्त राशि पर 9 फीसदी वार्षिक ब्याज और हर्जाने के रूप में याचिकाकर्ता को 25,000 रुपये का भुगतान करे। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने अपने फैसले में भारतीय स्टेट बैंक को स्पष्ट सेवा कमी का दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी की सूचना मिलने के बावजूद बैंक की प्रतिक्रिया ढीली, दोषपूर्ण और समय पर नहीं थी। अदालत ने कहा कि बैंक को ग्राहक के साथ एजेंट की तरह व्यवहार करते हुए उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और धोखाधड़ी का पता लगते ही तेजी से कार्रवाई करनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसने अपराधियों के साथ कोई ओटीपी साझा नहीं किया था, फिर भी उसके खाते से राशि निकाल ली गई। न्यायमूर्ति ने कहा कि बैंक ने संदिग्ध खातों को चार्जबैक, पुनर्प्राप्ति या फ्रीज करने जैसे कदम उठाने में लापरवाही बरती। अदालत ने विशेष रूप से एसबीआई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने आईडीएफसी बैंक और वन97 कम्युनिकेशन में रखे गए खातों पर भी कोई

कार्रवाई नहीं की। न्यायालय ने कहा कि ग्राहक सेवा किसी भी बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर धोखाधड़ी के मामलों में। इस मामले में बैंक का रवैया गंभीर रूप से असंतोषजनक और गंभीर सेवा कमी का उदाहरण था। अदालत के इस आदेश से साइबर धोखाधड़ी से पीड़ित लोगों को न्याय पाने की उम्मीद जगी है।

अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में तेजी

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई

नई दिल्ली । अदाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से नौ के शेयरों में सोमवार को शुरुआती कारोबार में तेजी देखी गई। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में करीब सात प्रतिशत की तेजी आई। बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर में 6.89 प्रतिशत, अदाणी ग्रीन एनर्जी में 6.42 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 5.33 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.64 प्रतिशत और अदाणी पावर में 4.17 प्रतिशत की तेजी आई। अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर चार प्रतिशत, अदाणी विल्मर के 3.23 प्रतिशत, एसीसी के तीन प्रतिशत और अंबुजा सीमेंट्स के शेयर 2.71 प्रतिशत चढ़े। गौरतलब है कि समूह के संस्थापक अध्यक्ष गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर सहित सात अन्य लोगों के खिलाफ अमेरिका में 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कथित रिश्वतखोरी की साजिश रचने का हिस्सा होने के आरोप में अभियोग लगाए जाने के बाद विदेशों से धन जुटाने की इसकी क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जा रहा है। कुछ वैश्विक बैंक और वित्तीय संस्थान कथित तौर पर समूह को नए ऋण देने पर अस्थायी रूप से रोक लगाने पर विचार कर रहे हैं।

खास खबर

ध्रुव के परिवार में जश्न का माहौल

आगरा । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)) 2025 में युवा क्रिकेटर ध्रुव जुरैल को राजस्थान रॉयल्स ने 14 करोड़ रुपए में खरीदा है। इसके बाद से ही आगरा में रह रहे जुरेल के परिवार में जश्न का माहौल है। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव पिछले कुछ समय में तेजी से छाये हैं। घरेलू क्रिकेट में भी उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में भी भारत ए की ओर से ध्रुव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है। 23 साल के ध्रुव के पिता सेना में थे। बचपन से ही ध्रुव को क्रिकेट से बेहद लगाव था पर पिता उन्हें सेना में भर्ती होना देखना चाहते थे। उनके पिता नेम सिंह ने उन्हें खेलकूद और सपोर्ट एक्टिविटीज के लिए कैंप में भेजा। वहां क्रिकेट मैच देखकर ध्रुव को क्रिकेटर बनने का जुनून हुआ। कभी-कभी ध्रुव घर से बिना बताएं क्रिकेट खेलने जाते थे। ध्रुव को एक बार क्रिकेट खेलने के लिए महंगी क्रिकेट किट लेनी थी। तब घर में इतने पैसे नहीं थे, तो उनकी मां ने अपनी सोने की चेन गिरवी रखकर ध्रुव को क्रिकेट किट दिलाए। बाद में जब ध्रुव कामयाब हुए तो उन्होंने अपनी मां को सोने की वही चैन वापस लाकर दी।

गौतम गंभीरअचानक स्वदेश लौटे

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर आचानक ही ऑस्ट्रेलिया दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं। गंभीर के इस प्रकार स्वदेश लौटने का कारण परिवार में किसी आपात स्थिति को बताया गया है। गंभीर अब कैनबरा में 30 नवंबर से होने वाले दो दिवसीय दिन रात के अभ्यास मैच के अलावा छह दिसंबर से एडीलेड में होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच तक भी टीम से नहीं जुड़ पायेंगे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, ह्यवह मंगलवार की सुबह भारत के लिए रवाना हो गए। यह एक निजी आपात स्थिति थी। वह एडीलेड में दूसरे टेस्ट से पूर्व लौट आएंगे। वहीं भारतीय टीम 27 नवंबर को कैनबरा रवाना होगा जहां पूरी टीम ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस द्वारा उनके सम्मान में दिये जाने वाले समारोह में भाग लेगी।

नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता शुरू

लखनऊ। खेलेंगे तो खिलेंगे। के स्लोगन के साथ नेशनल स्कूल गेम्स प्रतियोगिता की शुरूआत हो गयी। इस प्रतियोगिता में 3960 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं। 30 नवम्बर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का उद्घाटन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। उन्होंने इस अवसर पर खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया।वहीं गुरु गोविंद सिंह स्पोर्टस कालेज में शुरू हुई इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों में खूब उत्साह दिखा। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि पढ़ाई के साथ ही खेल भी बहुत जरूरी है। आज उप्र सरकार खेल को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं शुरू की हैं, जिससे बच्चों में खेल के प्रति रूचि जागृत हो। गांव-गांव में खेल के आयोजन किये जा रहे हैं। इसके प्रति युवाओं में रूझान बढ़ा है।पिछले वर्ष यह खेल का आयोजन अंडर-14 था, जिसे बढ़ाकर इस वर्ष अंडर-17 कर दिया गया है।

मेगा आईपीएल नीलामी : 639.15 करोड़ में बिके 182 खिलाड़ी

- ऋषभ पंत रहे सबसे महंगे
- दूसरे दिन 110 खिलाड़ियों की लगी बोली

एजेंसी

जेद्दाह। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए सऊदी अरब के जेद्दाह में दूसरे दिन नीलामी पूरी होने के साथ ही दो दिन का मेगा ऑक्शन पूरा हो गया। दूसरे दिन कुल 110 खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी टीमों ने खरीदा। इस दौरान कुछ युवा खिलाड़ियों पर पैसा बरसा, जबकि कुछ नामी-गिरामी खिलाड़ी अनसोल्ड ही रह गए।

दो दिन चले इस ऑक्शन में जहां पहले दिन 467.95 करोड़ खर्च कर टीमों ने 72 खिलाड़ी खरीदे थे, वहीं दूसरे दिन 110 खिलाड़ियों को अपनी टीमों से जोड़ने के लिए फ्रेंचाइजी मालिकों ने 171..2 करोड़ रुपये खर्च किए। इस तरह कुल 182 खिलाड़ियों की बिक्री हुई, जिनके लिए 639.15 करोड़ खर्च हुए। इसमें 62 विदेशी खिलाड़ी हैं और 8 बार आरटीएम (राइट टू मैच) प्रक्रिया का सफल उपयोग किया गया। इस दौरान बिहार के 13 साल के वैभव सूर्यवंशी नीलामी में बिकने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी रहे, उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में अपनी टीम के साथ जोड़ा। जबकि विकेट कीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत इस साल की नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी की निलामी में बिक्री के बीच कुछ चौंकाने वाले भी मामले रहे। इसमें आईपीएल की पहचान बनने वाले खिलाड़ियों के लिए किसी टीम की तरफ से बोली न लगाना रहा। इसमें प्रमुख रूप से डेविड वार्नर, केन विलियमसन, जॉनी बेयरस्टो, पृथ्वी शॉ, शार्दुल ठाकुर और डेरिल मिशेल रहे। वहीं भारत के अलावा दूसरे देशों के भी दो अनकैप्ड खिलाड़ियों की बोली लगी। श्रीलंका के इशान मलिंगा और न्यूजीलैंड के बेवन जॉन-जैकब केवल दो अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी रहे, जिन्हें फ्रेंचाइजी टीम ने अपने साथ जोड़ा।

वैभव किसी आईपीएल टीम में शामिल सबसे युवा खिलाड़ी बने

जेद्दा । 13 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी किसी आईपीएल टीम में शामिल किये गये सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। वैभव को राजस्थान रॉयल्स ने मेगा नीलामी में 1 करोड़ 10 लाख रुपए में खरीदा। वैभव ने हाल ही में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ शतक लगाया था। इस प्रकार वह शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं। सूर्यवंशी ने ये शतक 62 गेंद में ही 104 रन बनाकर लगा दिया था। इस क्रिकेटर का आधारमूल्य 30 लाख रुपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने पहली बोली लगाई। इसके बाद राजस्थान ने दिल्ली से अधिक रकम लगाकर उसे खरीदा। वैभव के साथ उम्र को लेकर विवाद भी जुड़े है। इस साल जनवरी में रणजी ट्रॉफी में उनके पदार्पण से पहले विवाद हो गया था। इसका कारया उनका पिछले साल का एक वीडियो बना जिसमें उन्होंने कहा था कि वह सितंबर 2023 में 14 साल के हो जाएंगे। तब उनसे पूछा गया कि उनकी वास्तविक उम्र कितनी है। इस पर उन्होंने कहा था कि 27 सितंबर 2023 को मैं 14 साल को हो जाउंगा। वहीं आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी जन्मतिथि 27 मार्च 2011 है।

मप्र ने मेघालय को 101 रनों से हराया

एजेंसी

राजकोट । ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर के शानदार प्रदर्शन से मध्यप्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप ए मैच में मेघालय को 101 रन से हरा दिया। वेंकटेश ने 17 गेंद में 6 चौके लगाकर 37 रन बनाने के बाद 2 ओवर में 9 रन देकर 1 विकेट भी लिया। वेंकटेश के अलावा मध्य प्रदेश की ओर से रजत पाटीदार ने भी 6 चौके और 6 छक्के लगाकर 36 गेंद में 78 रन बनाये। इस प्रकार मध्यप्रदेश टीम ने 5 विकेट पर 222 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेघालय की टीम 121 रनों पर ही सिमट गयी। मध्य प्रदेश की ओर से मोहम्मद अरशद खान ने 2.4 ओवर में 5 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं एक अन्य मैच में निशांत सिंधु के शतक और हिमांशु राणा के 91 रनों की सहायता से हरियाणा ने ग्रुप सी के मैच में 2 विकेट पर 255 रन बनाने के बाद अरुणाचल प्रदेश को केवल 80 रन पर आउट कर 175 रनों की शानदार जीत दर्ज की। निशांत ने 48 गेंद की अपनी शतकीय पारी में 11 चौके और 4 छक्के लगाये। इस मैच में युजवेंद्र चहल और हर्षल पटेल ने शानदार गेंदबाजी कर अरुणाचल के बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। हर्षल ने चार ओवर में 12 रन देकर 5 जबकि चहल ने 15 रन देकर 2 विकेट लिए।

एक अन्य मैच में हार्दिक पंड्या के नाबाद 41 रन और कृणाल पंड्या के 45 रनों की सहायता से बड़ौदा ने ग्रुप बी के मैच में उत्तराखंड से मिले जीत के 166 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इससे पहले उत्तराखंड की टीम 7 विकेट पर 165 रन ही बना सकी थी।

एंडरसन का आईपीएल खेलने का सपना टूटा

- विलियमसन को भी नहीं मिला खरीददार

एजेंसी

जेद्दा। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन पहली बार आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में शामिल हुए थे पर उन्हें कोई भी खरीददारी नहीं मिला। इससे 42 साल के एंडरसन का आईपीएल खेलने का सपना टूट गया है। एंडरसन आईपीएल नीलामी में नाम दर्ज कराने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे पर उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा। नीलामी के दूसरे दिन सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने बचे हुए 557 खिलाड़ियों में से 143 खिलाड़ियों के नाम नीलामी के लिए चुने थे। इस सूची में एंडरसन का नाम नहीं था। इसलिए उनका नाम नीलामी में नहीं आया। एंडरसन के अलावा न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का नाम भी सूची में नहीं था और इसलिए उनका नाम भी नहीं आया।

एंडरसन ने अपने करियर में 15 साल पहले अपना अंतिम टी20 मैच खेला था। इसके बाद टेस्ट करियर को लंबा करने के लिए उन्होंने सीमिल ओवरों के प्रारुप को अलविदा कह दिया था। एंडरसन ने इस बार आईपीएल में रजिस्ट्रेशन कराने को लेकर कहा था कि वह इस लीग से खेल को लेकर अनुभव हासिल करन चाहते हैं जिससे कोच का काम कर सके पर उन्हें सफलता नहीं मिली। एंडरसन अभी न्यूजीलैंड दौरे में इंग्लैंड की टीम के साथ गेंदबाजी मेंटर के तौर पर गये हैं। वह टेस्ट इतिहास में सबसे ज्यादा 704 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं।

आरसीबी ने भुवनेश्वर, क्रुणाल और लिविंगस्टोन सहित 19 खिलाड़ी खरीदे

एजेंसी

जेद्दा । अगले साल मार्च में शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए नीलामी पूरी हो गयी है। इसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 19 खिलाड़ी खरीदे हैं। आरसीबी ने आज तक खिताब नहीं जीता है। ऐसे में उसने इस बार कई अच्छे खिलाड़ियों को खरीदा है। आरसीबी नीलामी के दूसरे दिन 30.65 रुपए की सबसे अधिक राशि के साथ उतरी। दूसरे दिन आरसीबी ने ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या को 5.75 करोड़ रुपए में जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को सबसे अधिक 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। वहीं इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को आरसीबी ने सबसे पहले 8.75 करोड़ रुपये में खरीदा। लिविंगस्टोन के अलावा आरसीबी ने फिल साल्ट 11.50, जितेश शर्मा 11 करोड़ , जोश हेजलवुड 12.5 करोड़ और रसिख डार को 6 करोड़ रुपए में खरीदा।

सीनियर महिला एनएफसी के फाइनल मुकाबला 10 दिसंबर से

नई दिल्ली। राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी के लिए खेली जा रही 29वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल राउंड मुकाबले 10 दिसंबर से शुरू होंगे। ये सभी मैच छत्तीसगढ़ के नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम मैदान में खेले जाएंगे। फाइनल राउंड में दस टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी, जिनमें ग्रुप स्टेज से आठ विजेता टीमों और पिछले सीजन की दो फाइनलिस्ट (मणिपुर और हरियाणा) को पांच-पांच के दो समूहों में बांटा गया है। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने मंगलवार को कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें 21 दिसंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। फाइनल 23 दिसंबर को होगा। पिछले सीजन की विजेता मणिपुर ने रिकॉर्ड 22 बार ये खिताब अपने नाम किया है।

मुम्बई ने आईपीएल नीलामी में तीन विकेटकीपर किये शामिल

एजेंसी

जेद्दा । हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 10 विशेषज्ञ गेंदबाजों को मोटी रकम देकर खरीदने के साथ ही तीन विकेटकीपर भी लिए है। इसके अलावा अर्जुन तेंदुलकर को भी आधारमूल्य पर ही खरीद लिया। अर्जुन पहले भी मुंबई में ही थी हालांकि उन्हें एक बार भी मैदान में उतरने का मौका नहीं मिला है। मुंबई के लिए सबसे खास बात ये है कि बुमराह के साथ ट्रेंट बोल्ट गेंदबाजी करेंगे। मुंबई ने 15 भारतीय जबकि 8 विदेशी खिलाड़ियों को शामिल किया है। नीलामी में उसने 44.80 करोड़ रुपए लगाये हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो टीम के पास रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे अनुभवी बल्लेबाज हैं। सूर्यकुमार यादव को 16.35 करोड़ रुपए में रिटेन किया गया थ जबकि रोहित शर्मा 16.30 करोड़ रुपए में रिटेन हुए। वहीं युवा तिलक वर्मा को टीम ने 8 करोड़ रुपए और बेवोन जैकब्स को 30 लाख में अपने पास बनाये रखा विकेटकीपर के तौर पर टीम के पास रियान रिकल्टन है जिन्हें 1 करोड़ की बोली लगाकर शामिल किया। रॉबिन मिंज को 65 लाख और कृष्णन श्रीजिथ को 30 लाख रुपए में खरीदा। वहीं ऑलराउंडर के तौर पर टीम के पास कप्तान हार्दिक पांड्या हैं। उन्हें । पिछले सीजन टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इस बार नई टीम बनाएंगे। 16.35 करोड़ में रिटेन किया गया था। युवा ऑलराउंडर नमन धीर को 5.25 करोड़ में लिया गया है। गेंदबाज के तौर पर अनुभवी जसप्रीत बुमराह को 18 करोड़ रुपए में रिटेन किया गया।

लिजार्ड विलियम्स : दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज को 75 लाख रुपए में खरीदा। अर्जुन तेंदुलकर को आधारमूल्य 30 लाख में खरीदा। ट्रेंट बोल्ट 12.50 करोड़ में खरीदे गये। वह बुमराह के साथ जोड़ी बनाएंगे।

नटराजन का जाना हमारे लिए नुकसानदेह : विटोरी

एजेंसी

जेद्दा । सनराइजर्स हैदराबाद टीम के कोच डेनियल विटोरी ने कहा है कि टी नटराजन इस बार आईपीएल सत्र 2025 के लिए हमारे पास नहीं है और ये टीम के लिए बड़ा नुकसान है। विटोरी के अनुसार नटराजन एक अहम खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि टीम को इस बार नीलामी में ईशान किशन को शामिल करने में सफलत मिली है पर उसे नटराजन को खोना पड़ा है। नटराजन को इस बार दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा है। वहीं मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले किशन को नीलामी के पहले ही दिन सनराइजर्स ने 11 करोड़ 25 लाख रुपये में खरीद लिया था। ईशान के लिए यह बड़ी राहत है क्योंकि वह काफी समय से भारतीय टीम से बाहर है और उन्हें बीसीसीआई अनुबंध भी नहीं मिला है। सनराइजर्स ने पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और हर्षल पटेल सहित आठ खिलाड़ियों को खरीदा पर वह नटराजन को वापस नहीं खरीद पाए। विटोरी ने कहा कि नटराजन की कमी कोई अन्य खिलाड़ी पूरी नहीं कर सकता। सनराइजर्स ने नीलामी से पहले कप्तान पैट कमिंस, ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और नितीश रेड्डी सहित पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया था। विटोरी ने कहहा, ह्य(नटराजन के जाने की भरपाई कोई नहीं कर सकता पर हर टीम को इस स्थित से गुजरन होता है। नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा। विटोरी ने कहा, ह्यहमने अवसर मिलने पर शमी और फिर हर्षल को अपने अपने साथ जोड़ा जबकि हमने ये सोचा भी नहीं था कि कम कीमतों पर ये दोनो ही मिल जाएंगे। वहीं ईशान का आना भी हमारे लिए अच्छा रहा। हम उसे अपने साथ जोड़ना चाहते थे और हमें लगा कि वह अधिक कीमत पर बिकेगा। इसलिए इन तीन खिलाड़ियों और बाकी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ने की खुशी है।

अर्जुन तेंदुलकर को मुश्किल से मिला खरीददार

- मुम्बई इंडयंस ने बेस प्राइज पर खरीदा

एजेंसी

जेद्दा । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को बड़ी मुश्किल से खरीददार मिला। अर्जुन को पहले दिन किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। वहीं दूसरे दिन बमुश्किल उन्हें मुम्बई इंडियंस ने आधारमूल्य पर खरीदा। वहीं पहले दौर में जब उनका नाम आया तो वह नहीं बिके। इसके बाद दूसरे दौर में भी उनको लेकर किसी टीम ने बोली नहीं लगाई पर अंत में मुंबई इंडियंस ने उन्हें खरीदा। अर्जुन ने नीलामी से कुछ दिन पहले ही रणजी ट्रॉफी में 25 रन देकर 5 विकेट लिए थे। गोवा के लिए खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अकेले ही आधी टीम को आउट कर दिया था। इसके बाद भी उनमें किसी टीम ने रुचि नहीं दिखायी।

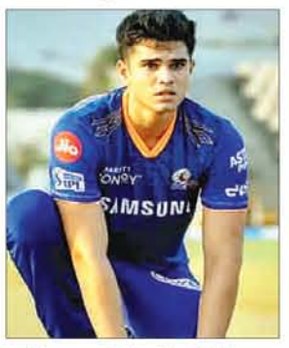

अर्जुन ने मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए ही अपना डेब्यू किया था। साल 2023 के आईपीएल में भी उन्होंने खेला पर उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। तब अर्जुन ने भुवनेश्वर कुमार को पेवेलियन भेजकर पहला आईपीएल विकेट लिया था। पिछले सत्र में भी अर्जुन को बेंच पर ही बैठना पड़ा था। शुरूआती सत्र में नीलामी में अर्जुन का आधार मूल्य 20 लाख रुपये था पर इस बार की नीलामी से पहले बीसीसीआई ने अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर उनका आधारमूल्य 20 लाख से बढ़कर 30 लाख कर दिया था।

भारतीय टीम की जीत में कई खिलाड़ियों की रही अहम भूमिका

एजेंसी

पर्थ । भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले ही टेस्ट में शानदार जीत के पीछे कई खिलाड़ियों का अच्छा प्रदर्शन रहा है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार से उबरकर जिस प्रकार की वापसी की है वह आसान नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच में ही उसकी धरती पर 295 रन से हराना एक बड़ी उपलबब्धि है। ये भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत है। इससे भारतीय टीम एक बार फिर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिपन (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़कर एक बार फिर से शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की जीत में इन पांच खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही। कप्तान जसप्रीत बुमराह ने इस मैच में कुल आठ विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। टीम के पहली पारी में 150 रन पर ऑलआउट होने के बाद हर बुमराह ने मेजबान टीम के 5 विकेट लेकर उसे बैकफुट पर धकेल दिया। बुमराह के इस प्रदर्शन की बदौलत ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 104 रन के भीतर आउश करने में सफला हासिल की। बुमराह ने शानदार कप्तानी कौशल का प्रदर्शन करते हुए टीम को लगातार प्रेरित किया। बुमराह ने दूसरी पारी में भी ट्रेविस हेड को आउट करने के साथ ही तीन विकेट लिए।

पहली पारी में खाता नहीं खोल पाये यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रन बनाकर भारतीय टीम को बड़ी बढ़त दिलायी। यशस्वी की इस प्रारी से मेजबान गेंदबाजों पर दबाव आया और वे अपनी लय खो बैठे जिसके बाद भारतीय टीम के अन्य बल्लेबाज भी आसानी से रन बनाने में सफल रहे। यशस्वीऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले सलामी बल्लेबाज हो गये हैं। यशस्वी ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले ही टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय भी हैं। उनसे पहले यह कमाल सिर्फ एमएल जयसिम्हा और सुनील गावस्कर कर सके थे। विराट कोहली पहली पारी में विफल रहे पर पर दूसरी पारी में उन्होंने शानदार शतक लगा दिया। विराट जब दूसरी पारी में बैटिंग करने आए तो भारत का स्कोर 2 विकेट पर 275 रन था पर तीन विकेट गिरने से स्कोर 5 विकेट पर 321 रन हो गया। ऐसे समय पर विराट ने मोर्चा संभाला और भारत को 487/6 के स्कोर तक पहुंचाया। केएल राहुल के ऊपर इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर दबाव था और उन्होंने अपनी को साबित किया। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में उन्हें ड्रॉप कर सरफराज खान को जगह दी गई थी। ऐसे में भी राहुल ने पहली पारी में 26 रन बनाए जब भातरीय । टीम के विकेट लगातार गिर रहे थे। वहीं दूसरी पारी में राहुल ने 77 रन बनाए और यशस्वी जायसवाल के साथ 201 रन की साझेदारी की.। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी भी भारतीय जोड़ी की सबसे बड़ी सलामी साझेदारी रही है। अपना पहला ही टेस्ट खेल रहे नीतीश कुमार रेड्डी और हर्षित राणा ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया। हर्षित ने पहली पारी में 3 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को 104 रन में समेटने में अहम भूमिका निभाई।

न्यूकास्टल में प्रीमियर लीग फुटबॉल में वेस्टहैम के टॉमस सयूसेक गोल करने के बाद उत्साहित होते हुए।

कंगारुओं के देश में शिक्षा की छलांग

ऑस्ट्रेलिया में आपको विश्व के अधिकांश देशों के लोग मिल जाएंगे। इनमें काफी बड़ी संख्या यहां उच्च शिक्षा के लिए आए विद्यार्थियों की है और इसका कारण है यहां किफायती दाम में मिलने वाली अच्छी शिक्षा।

अगर कोई यह पूछे कि दूसरे देश में शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलिया का ही चयन क्यों किया जाए, तो इस प्रश्न के कई जवाब दिए जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में ऐसी बहुत-सी विशेषताएं हैं, जो इस देश को शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाती हैं। विदेशी विद्यार्थी इस देश के नागरिकों से कला और संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं।

किफायती शिक्षा

पिछले दो दशकों में लगातार इस देश की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। एशियाई ही नहीं, योरपीय देशों के विद्यार्थी भी शिक्षा के लिए इसका चयन कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा किफायती दामों में दी जाती है। यही यहां की शिक्षा व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता है। विश्व के अधिकतर प्रमुख देशों में एंप्लॉयर और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ऑस्ट्रेलियाई डिग्री को मान्यता मिली हुई है। विश्व की सभी प्रमुख कंपनियां अपने यहां जॉब के लिए भी यहां की डिग्री को वरीयता देती हैं।

किस तरह के कोर्स?

ऑस्ट्रेलिया में वोकेशनल एजुकेशन, यूनिवर्सिटी, स्कूल, अंग्रेजी भाषा आदि सभी स्तर की शिक्षा दी जाती है। ये सभी क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इससे आप एक कोर्स से दूसरे की ओर आसानी से कदम बढ़ा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में एक संस्थान से दूसरे संस्थान में जाना भी आसान होता है। ऑस्ट्रेलिया में आम तौर पर आईटी, बायोटेक्नोलॉजी, एमबीए, एविएशन, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, पायलट ट्रेनिंग, ग्राफिक्स, मीडिया आदि विषयों में विदेशी विद्यार्थियों की रुचि अधिक दिखाई देती है।

स्कॉलरशिप

ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने वाले अधिकतर विदेशी विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप हासिल करने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया में सरकार एवं अन्य संगठनों द्वारा चलाई जा रही अनेक स्कॉलरशिप योजनाओं के लिए आप आवेदन कर सकते हैं।

गुणवत्ता प्रमाणित है

ऑस्ट्रेलिया के आठ विश्वविद्यालय विश्व के शीर्ष 200 विश्वविद्यालयों में शामिल हैं। इनमें से पांच शीर्ष 50 यूनिवर्सिटियों में अपनी जगह बनाने में सफल हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया में अंडर ग्रेजुएट लेवल पर दी जाने वाली शिक्षा को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

प्रमुख संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न
- यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी
- यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड
- ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी
- मोनैश यूनिवर्सिटी

जॉब दिलाएगा रोबोट!

एक समय था, जब यह आशंका जताई जाती थी कि रोबोट कहीं इंसानों का रोजगार छीन न लें। मगर आज हकीकत यह है कि रोबोट बनाने और उन्हें संचालित करने के क्षेत्र में करियर बनाने के अनेक सुनहरे अवसर हैं। जैसे-जैसे रोबोटों की मांग बढ़ रही है, रोबोटिक्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की भी डिमांड बढ़ रही है।

रोबोट यानी मशीनी मानव। इंसानों की तरह काम करने वाली, लेकिन इंसानों से कई गुना ताकतवर मशीन। रोबोटिक्स में इसी के ऐप्लीकेशन का काम होता है। दुनिया भर में 10 लाख से ज्यादा रोबोट हैं। इनमें से आधे से भी ज्यादा अकेले जापान में हैं। 15 फीसद अमेरिका में और बाकी 30-35 फीसद विकसित देशों में हैं। एक दशक पहले तक करीब 90 फीसद रोबोट से केवल कार मैन्युफैक्चरिंग में ही काम लिया जाता था, लेकिन अब इस फील्ड में केवल 50 फीसद रोबोट से ही काम कराया जाता है। दूसरे नए-नए क्षेत्रों में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। इसीलिए इन्हें बनाने और हैंडल करने वालों की भी जरूरत तेजी से बढ़ रही है।

रोबोट से होने लगा है काम

रोबोट का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल आजकल खुदाई और उत्खनन जैसी मुश्किल और इंसानों के लिए खतरनाक जगहों पर ज्यादा किया जा रहा है। इसके अलावा, खेती और माल-ढुलाई जैसे अधिक परिश्रम वाले कामों में भी रोबोट बखूबी काम कर रहे हैं। यहां तक कि चिकित्सा जैसे सूक्ष्म और तकनीकी क्षेत्रों में भी रोबोट अपना असर दिखा रहे हैं। अब तो इन्हें मानवरहित हवाई यानों को उड़ाने के लिए भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कहां हैं अवसर?

रोबोटिक साइंस में एमई की डिग्री हासिल कर चुके स्टूडेंट्स को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन यानी इसरो में नौकरी मिल सकती है। इसके अलावा, माइक्रो-चिप इंडस्ट्री में भी रोबोटिक्स से जुड़े स्टूडेंट्स की काफी डिमांड रहती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी यानी आईआईटी में भी रिचर्स वर्क के लिए रोबोटिक इंजीनियर्स की जरूरत होती है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल बायोलॉजी रोबोटिक्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में फैलोशिप ऑफर करती है। विदेश में भी इनके लिए रोजगार के बेहतर मौके हैं। अमेरिकी कंपनी प्लासटेक में रोबोटिक्स इंजीनियर के लिए काम करने का बेहतरीन मौका है। इसके अलावा, इंटेल जैसी कंपनी इंटेलिजेंस स्पेशलिस्ट को माइक्रो-चिप मैन्युफैक्चरिंग के लिए हायर करती है। रोबोटिक्स इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अमेरिका में रोबोटिक मैन्युफैक्चरिंग और मेंटेनेंस सिस्टम के लिए लोगों को हायर करती है। नासा रोबोटिक्स इंजीनियर के लिए जॉब का सबसे बड़ा डेस्टिनेशन है।

एलिजिबिलिटी

रोबोटिक्स फील्ड में करियर बनाने के लिए इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और कम्प्यूटर साइंस की अच्छी नॉलेज या डिग्री होनी चाहिए। आम तौर पर मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, कम्प्यूटर साइंस से ग्रेजुएशन कर चुके स्टूडेंट्स इस कोर्स के लिए योग्य माने जाते हैं।

कोर्स

रोबोटिक एक्सपर्ट दिवाकर वैश्य के अनुसार, रोबोटिक साइंस एक तरह से लॉन्ग टर्म रिसर्च ओरिएंटेड कोर्स है। आप इस क्षेत्र से जुड़े कुछ स्पेशलाइजेशन कोर्स भी कर सकते हैं, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस्ड रोबोटिक्स सिस्टम आदि। इस तरह के कोर्स आईआईटी के अलावा, कई इंजीनियरिंग कॉलेज भी ऑफर कर रहे हैं। स्पेशलाइजेशन के लिए पोस्ट ग्रेजुएट लेवल कोर्स भी कर सकते हैं।

क्या पढ़ाया जाता है?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
कम्प्यूटर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग
कम्प्यूटेशनल जियोमेट्री
रोबोट मोशन प्लानिंग
डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स एंड माइक्रो-प्रोसेसर
रोबोट मैनिपुलेटर।

सैलरी पैकेज

रोबोटिक इंडस्ट्री में इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के लोगों को ही हायर किया जाता है। इनकी शुरूआती सैलरी कम से कम 25 से 30 हजार रुपए के करीब होती है।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल
- जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस, पिलानी
- पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबत्तूर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रोबोटिक्स

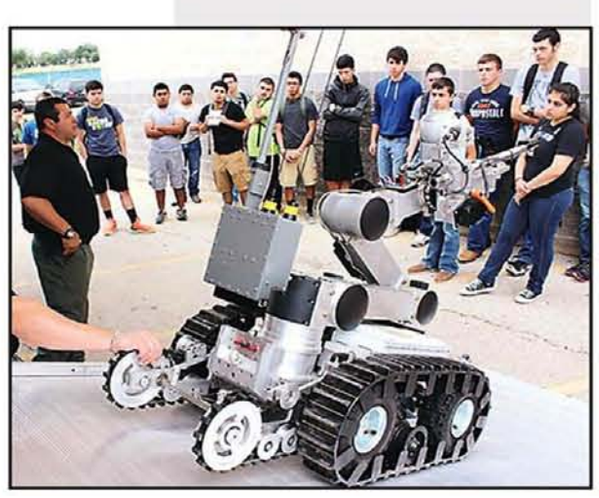

भारत में रोबोट

रोबोट का इस्तेमाल मैन्युफैक्चरिंग के साथ-साथ न्यूक्लियर साइंस, सी-एक्सप्लोरेशन, हार्ट-सर्जरी, कार असेम्बलिंग, लैंड माइंस, बायोमेडिकल आदि क्षेत्र में खूब हो रहा है। भारत में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ऑटोमोटिव इंडस्ट्री, एयरोस्पेस, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, स्टील इंडस्ट्री, शीट टेस्टिंग आदि में रोबोट का इस्तेमाल होने लगा है। इसके अलावा, मेडिकल फील्ड में कैंसर के इलाज में भी रोबोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

जब ऑफिस में हो अप्रिय परिवर्तन

अब तक जिस कंपनी ने आपको अपने तरीके से काम करने की पूरी छूट दी थी, उसी ने अचानक आपके ऊपर एक बॉस नियुक्त कर दिया। अब आपको हर काम उससे पूछकर करना है। ऐसे में आप क्या करेंगे चिढ़कर उसके प्रति असहयोगात्मक रवैया अपनाएंगे या फिर इस बदलाव को स्वीकार कर कंपनी को अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखेंगे

वे कुछ दिनों से बड़े अनमने लग रहे हैं। रूटीन के अपने सभी काम तो निबटा रहे हैं, लेकिन मन ही मन उन्हें कुछ टूटा-सा लग रहा है। उनके भीतर एक कसक है, जिसे वे घर या ऑफिस में किसी के साथ शेयर नहीं कर पा रहे। एक दिन मौका देख उन्होंने अपने एक करीबी और बेहद सुलझे हुए मित्र से इस बात की चर्चा की। उन्हें बताया कि मैं अपने वर्तमान संस्थान से पिछले 15 साल से बेहद समर्पण के साथ जुड़ा हुआ हूं। कुछ समय के लिए दूसरी कंपनी में भी गया लेकिन फिर जैसे घर वापसी हो गई।

मेरे काम के प्रोफेशनल व परफेक्ट तरीके और विनम्र स्वभाव से मैनेजमेंट, कलीग और क्लाइंट भी बेहद खुश रहते हैं। इतने लंबे समय में मुझे कभी किसी से शिकायत नहीं रही लेकिन पिछले कुछ समय से मुझे अजीब लग रहा है। शानदार रेकॉर्ड होने के बावजूद कंपनी ने मेरे ऊपर किसी अधिकारी को लाकर बिठा दिया है। वैसे तो मुझे कंपनी का हर निर्णय सहर्ष स्वीकार होता है। किसी संवेदनशील मुद्दे पर मेरी राय की कभी अनदेखी भी नहीं की जाती लेकिन पहले जहां मैं हर निर्णय खुद लेने के लिए स्वतंत्र था, वहीं अब मुझे हर बात के लिए परमिशन लेने की जरूरत पड़ती है। मेरी खिन्नता का कारण भी यही है। हालांकि इससे मेरी परफॉर्मेंस पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा। हां, उत्साह जरूर थोड़ा कम हो गया है।

बदलाव को स्वीकारें

इस तरह की समस्या कोई नई नहीं है। हर संस्थान में कभी-न-कभी इस तरह की परिस्थिति का सामना काबिल और उत्साही कर्मचारियों को करना पड़ता है। आप कह सकते हैं कि बिजनेस तो आसानी से आ ही रहा था, फिर इस तरह के हस्तक्षेप का क्या मतलब है? दरअसल, परिस्थितियां कभी एक जैसी नहीं रहतीं लेकिन किसी भी बदलाव को सकारात्मक नजरिये से देखने पर वह दु:खी नहीं करता।

एक जैसी स्थिति बने रहने से आप कंफर्ट जोन में रहते हुए, बिना किसी व्यवधान के, अपने तरीके से काम करते जाते हैं। मगर आप खुद को किसी कंपनी के ऐसे कोर ग्रुप में रखकर देखें, जिस पर लगातार बिजनेस बढ़ाने का दबाव होता है। तब आपको लगेगा कि नहीं, मैं गलत ही था। अगर मैं मैनेजमेंट में होता, तो शायद मैं भी यही करता। इसलिए किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहें और उसे हमेशा सकारात्मक नजरिये से देखें।

न करें रुकावट की परवाह

हो सकता है कि परिस्थितियां बदलने से आप अपना धैर्य खो दें। अपना आपा खोते हुए अपने व्यवहार की विनम्रता और परफेक्ट परफॉर्मेंस का सिलसिला भी खुद तोड़ दें। जरा सोचें, अगर आपने ठंडे दिमाग से काम नहीं लिया, तो आपकी इस प्रतिक्रिया से किसका नुकसान होगा? जाहिर है, आपका ही! क्या रास्ते में कोई रोड़ा या गड्ढा आने पर आप चलना छोड़ देंगे? नहीं न? फिर क्यों परेशान होते हैं? उस गड्ढे या रोड़े की परवाह किए बिना अपना सफर जारी रखें।

सामंजस्य बनाएं

हो सकता है कि बीच में किसी का आना या उसके प्रति जवाबदेह बना दिया जाना आपके स्वाभिमान को गवारा न हो रहा हो लेकिन ऐसे में क्या आप उसके साथ असहयोगात्मक रवैया अपना सकते हैं? आप चाहें या न चाहें, आपको उसके साथ सहयोग करना ही पड़ेगा। तो फिर क्यों न सामंजस्य स्थापित करने की दिशा में बढ़ें? अगर आपको अपनी प्रतिभा पर भरोसा है, तो आप अपने काम से ऐसा कुछ कर दिखाएं, जिससे हर कोई वाह-वाह करने को मजबूर हो जाए।

नजरिये की जीत

आपकी प्रोफेशनल लाइफ में समय-समय पर रुकावटें या अवरोध आ सकते हैं। अगर आप इन्हें सकारात्मक नजरिये से नहीं देखेंगे, तो कदम-कदम पर परेशानी हो सकती है। मगर यदि आपने अपने सोचने और देखने का तरीका बदल लिया, तो हर परेशानी या रुकावट को आप अपने लिए अवसर में भी बदल सकते हैं। बस, आप खुद को शांत और एकाग्र रखें। किसी भी सूरत में (चाहे कोई आपको उकसाने का प्रयास ही क्यों न करे) अपने प्रदर्शन को प्रभावित न होने दें। अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतरता बनाए रखें। आप देखेंगे कि एक-न-एक दिन वही अवरोध या रोड़ा आपकी राह में बिछकर आपके लिए कामयाबी की सीढ़ी बन जाएगा।

खुरचें नहीं, खींचें बड़ी लकीर

अगर कोई आपके सामने एक लकीर खींचकर यह सवाल करे कि इस लकीर को छोटा कैसे किया जा सकता है, तो बहुत संभव है कि आपमें से बहुतेरे यह कहें कि इसमें क्या है और उस लकीर को इरेजर से मिटाने या खुरचने लगें। सवाल यह है कि क्या लकीर को छोटा करने का यही एकमात्र तरीका है? यह कितना उचित है? क्या इस विध्वंसकारी और अनुचित तरीके से आपमें से हर कोई सहमत हो सकता है? नहीं न?

तो फिर क्यों न इस चुनौती को सकारात्मक तरीके से लेते हुए अपनी थोड़ी विवेक-बुद्धि का इस्तेमाल करें! अगर उस लकीर को छोटा करना है, तो आप उसके बराबर एक बड़ी लकीर खींचकर पहले वाली लकीर को बिना हाथ लगाए छोटा कर सकते हैं। यही बात हम सबकी जिंदगी पर भी लागू होती है।

सामंथा से वरुण धवन ने पूछा मजेदार सवाल, जवाब में अभिनेत्री ने पूर्व पति का किया जिक्र

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बनी की सफलता का आनंद ले रहीं हैं। शो में उनके और वरुण धवन की जोड़ी को फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया है। इस शो के अलावा अभिनेत्री अपने एक हालिया बयान की वजह से भी काफी चर्चा बटोर रही हैं। दरअसल हाल में ही अमेजन प्राइम वीडियो ने फैंस के साथ वरुण और सामंथा के बीच हुई मजेदार बातचीत का वीडियो साझा किया है, जिसमें अभिनेता ने उनसे पूछा कि उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे किस बेकार चीज पर खर्चे हैं। इसका अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, पूर्व प्रेमी को दिए उपहारों पर।

पूर्व प्रेमी पर किए खर्चे को बेकार मानती हैं सामंथा

प्राइम वीडियो द्वारा साझा की गई बातचीत के दौरान, वरुण ने सामंथा से मजाकिया अंदाज में पूछा, आपने क्या किसी बेकार चीज पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च किए हैं? सामंथा ने बिना कोई पल गंवाए चुटकी लेते हुए कहा, मेरे पूर्व प्रेमी के महंगे उपहार। इस पर वरुण थोड़े हैरान नजर आए। उन्होंने आगे पूछा, वो अमाउंट कितना है? इस पर सामंथा ने शांत भाव से जवाब दिया, काफी। अभिनेत्री का यह जवाब काफी ज्यादा वायरल हो रहा है।

सामंथा ने तलाक पर बनाए रखी है चुप्पी

जाहिर है कि सामंथा और नागा चैतन्या के तलाक की खबरों ने काफी ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। ऐसे में अभिनेत्री के इस स्पष्ट जवाब के बाद से सोशल मीडिया पर लोगों ने भी कई तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। हालांकि, नागा चैतन्य के साथ अपने पिछले रिश्ते के बारे में अभिनेत्री ने हमेशा से एक गरिमापूर्ण चुप्पी बनाए रखी है, लेकिन उनके इस बयान के बाद कई फैंस नागा चैतन्या की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है सिटाडेल

बात करें सामंथा रुथ प्रभु की हालिया रिलीज सीरीज सिटाडेल हनी बनी की, तो राज और डीके की जोड़ी द्वारा बनाई गई एक्शन से भरपूर यह सीरीज दर्शकों को पसंद आई है। ये सीरीज अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। ये सीरीज रूसो ब्रदर्स की सिटाडेल के यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा जोनास ने अभिनय किया है। इसमें वरुण, सामंथा और साकिब के अलावा केके मेनन, सिमरन, साकिब सलीम, सिकंदर खेर, सोहम मजूमदार, शिवांकित परिहार भी नजर आए हैं।

सोशल मीडिया पर मिलती नकारात्मक आलोचनाओं पर छलका अनन्या का दर्द

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने भले ही बहुत कम फिल्में की हैं, लेकिन लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। हाल में ही अभिनेत्री ने बॉलीवुड में अपने शुरुआती दिनों के संघर्षों को लेकर बात की है। इनमें सोशल मीडिया की अफवाहें और उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों पर संदेह आदि चीजें शामिल हैं। बरखा दत्त की मोजो स्टोरी पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे ऑनलाइन आलोचना ने उनके आत्मविश्वास को प्रभावित किया। इस बातचीत में अनन्या ने आगे कहा कि वह एक अभिनेत्री हैं, इसलिए उन्हें सोशल मीडिया पर मौजूदगी रखनी ही पड़ती है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर की जाने वाली इन आलोचनाओं का नकारात्मक प्रभाव, तब समझ आया जब उनकी छोटी बहन रायसा ने उनसे खुद को इंस्टाग्राम पर टैग न किए जाने के लिए कहा। अभिनेत्री ने कहा, मैंने अपनी छोटी बहन रायसा पर भी इसका असर देखा। वह एक अभिनेत्री नहीं हैं और न ही अभिनेत्री बनने की उनकी कोई योजना है, लेकिन हर बार जब हम उनकी कोई तस्वीर पोस्ट करते हैं, तो वह कहती हैं कि उन्हें टैग न करें, क्योंकि लोग उन्हें फॉलो करते हैं और बुरी बातें कहते हैं।

स्कूल में भी सुनने को मिली नकारात्मक आलोचना

अनन्या पांडे ने कहा, जब मैं स्कूल में थी, तब सोशल मीडिया अभी-अभी शुरू हुआ था। मुझे हर तरह की बातें कही जाती थीं, जैसे कुबड़ा, फ्लैट स्क्रीन, चिकन लेग्स। यह स्कूल में था, तब हम अपनी सीमित दायरे में थे। अब, सोशल मीडिया की वजह से, सबसे छोटी आवाज को भी बढ़ाया जा सकता है। इसने मेरे आत्मविश्वास को प्रभावित किया और आज भी करता है। खुद से प्रेम करना एक यात्रा है, मंजिल नहीं।

अनन्या की शिक्षा को लेकर झूठ बोलने का किया फर्जी दावा

अभिनेत्री ने आगे कहा कि इंडस्ट्री में उन्हें अपने पहले साल के दौरान झूठी अफवाहों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि किसी ने उन्हें स्कूल से जानने का दावा करते हुए एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और उन पर उनकी शिक्षा के बारे में झूठ बोलने का आरोप लगाया। अभिनेत्री ने कहा, जब मैंने अभी-अभी शुरुआत की थी, अपने पहले साल में, किसी ने इंस्टाग्राम पर एक फर्जी अकाउंट बनाया और उन्होंने लिखना शुरू कर दिया कि वे मेरे साथ स्कूल में थे और मैं ऐसी-वैसी थी, मैंने अपनी शिक्षा के बारे में झूठ बोला था। पहले तो मुझे लगा कि कोई भी इस पर विश्वास नहीं करेगा, लेकिन लोगों ने इस पर विश्वास किया। इससे मुझे काफी परेशानी हुई।

अनन्या पांडे का वर्क फ्रंट

बताते चलें कि अनन्या पांडे हाल में ही कंट्रोल और कॉल मी बे वेब सीरीज में नजर आई हैं। इनके बाद अब वह अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ एक अनाम फिल्म में भी अभिनय करने वाली हैं। इसके अलावा, उनके पास भविष्य के लिए चांद मेरा दिल और कॉल मी बे सीजन 2 भी है।

तेलुगु फिल्म आकाशम दाति वास्तव से डेब्यू के लिए तैयार धनश्री वर्मा

डेंटिस्ट, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और डांस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा जल्द ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री दिल राजू के बैनर तले निर्मित आकाशम दाति वास्तव नाम के तेलुगु फिल्म से अपनी शुरुआत करेंगी। इस प्रोजेक्ट में कोरियोग्राफर यश मुख्य भूमिका में होंगे। जानकारी तो यह भी है कि इस फिल्म में प्रसिद्ध मलयालम अभिनेत्री कार्तिका मुरलीधरन भी अभिनय करेंगी, जो सबा नयागन और सीआईए में अपने अभिनय से प्रसिद्ध हुईं। धनश्री के डेब्यू की बात करें तो कथित तौर पर वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस नवीनतम चर्चा पर अधिक विवरण और आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक डांस बेस्ड फिल्म है और एक कोरियोग्राफर होने के नाते निर्माताओं को धनश्री इस फिल्म के लिए परफेक्ट लगी हैं।

आकाशम दाति वास्तव की शूटिंग जारी

हालांकि, निर्माताओं ने इस भूमिका के लिए धनश्री को चुनने से पहले कई अभिनेत्रियों के ऑडिशन लिए। रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री फिल्म में अपनी भूमिका की गहराई और पूरी कहानी पर विचार करने के बाद ही फिल्म में शामिल होने के लिए सहमत हुईं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने पहले ही फिल्म के कुछ सीन मुंबई में ही शूट कर लिए हैं। इसका बाकी हिस्सा हैदराबाद में पूरा होने की संभावना है। धनश्री और कार्तिका मुरलीधरन के अलावा आकाशम दाति वास्तव ससी कुमार मुथुलुरी के निर्देशन की पहली फिल्म भी है। उल्लेखनीय गायक कार्तिक ने फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर तैयार किया है। खैर, एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और प्रतिभाशाली कोरियोग्राफर के रूप में अपनी उपस्थिति के कारण धनश्री पहले ही दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना चुकी हैं। जाहिर है, वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित शास्त्रीय भरतनाट्यम डांसर भी रही हैं। धनश्री 2020 में युजवेंद्र चहल के साथ शादी के बंधन में बंधी। यह जोड़ी पहले अलग होने की अफवाहों से सुर्खियों में आई थी। हालांकि, वे केवल निराधार अनुमान थे।

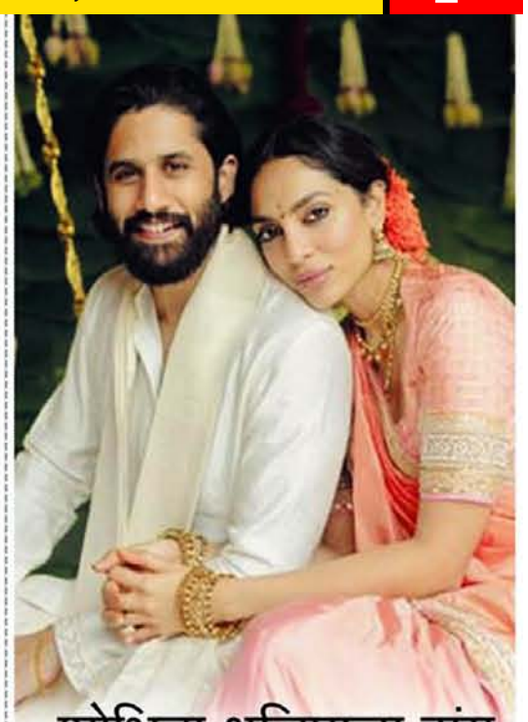

शोभिता धुलिपाला संग नया सफर शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं नागा चैतन्य

सामंथा रुथ प्रभु से अलग होने के तीन साल बाद नागा चैतन्य अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। वह शोभिता धुलिपाला के साथ शादी करने जा रहे हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि वह अपने लाइफ के नए पड़ाव की शुरुआत करने के लिए एक्साइटेड हैं। नागा चैतन्य ने अपने बर्थडे के बारे में कहा, मुझे अपना जन्मदिन मनाना पसंद है, लेकिन इसे सादगी से मनाना और अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ बिताना, अपनी पसंदीदा चीजें करना। मेरा मतलब है कि कुछ समय के लिए खुद को अलग करना, अपने कम्फर्ट जोन में रहना और अपने दिमाग को रिचार्ज करना। इस बार भी मैं यही कर रहा हूं और गोवा में अपने करीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिता रहा हूं।

शोभिता की नागा चैतन्य के जन्मदिन पर प्लानिंग?

नागा चैतन्य से जब पूछा गया कि उनके बर्थडे के लिए शोभिता धुलिपाला ने क्या प्लानिंग की है तो वह बोले, वह सारी प्लानिंग मुझ पर छोड़ देती है। जब तक वह मरे साथ है। मेरे लिए यही काफी है। 4 दिसंबर को कपल शादी करने जा रहे हैं। इस बारे में भी एक्टर ने बात की। कहा कि उन्हें शादी को लेकर कोई घबराहट नहीं है। लह बहुत एक्साइटेड हैं। पेट में तितलियां उड़ रही हैं।

नागा चैतन्य और शोभिता की शादी कहां होगी?

एक्टर ने बताया, शादी हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में होगी। जिसके साथ एक बहुत ही खास भावना जुड़ी है। मेरे दादाजी की प्रतिमा है और उसके सामने शादी करने और उनका आशीर्वाद लेने का फैसला परिवार ने लिया था। हमारे परिवार एक साथ आकर इस जश्न को सेलिब्रेट करने के लिए एक्साइटेड हैं। एक्टर इन दिनों अपनी अगली मूवी थंडेल की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। फिल्म और शादी साथ हैंडल करेंगे नागा चैतन्य उनसे जब पूछा गया कि वह कैसे दोनों चीजें हैंडल करेंगे तो वह बोले, थंडेल लगभग पूरी हो चुकी है। हमारे पास शूटिंग के लिए सात दिन से भी कम समय बचा है और वो भी इस महीने पूरा हो जाएगा। शादी अगली महीने है और दिसंबर से पहले हफ्ते में सेलिब्रेशन शुरू हो जाएगा। कुछ फैमिली कमिटमेंट्स भी होंगी। उसके बाद फिर मैं फिल्म पर लग जाऊंगा। डबिंग और प्रमोशन का काम सम्भालूंगा। इसलिए भरोसा है कि सब आसानी से बैलेंस हो जाएगा।

शोभिता धुलिपाला के बारे में बोले नागा चैतन्य

अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में चैतन्य ने आगे कहा, मैं शोभिता के साथ अपनी नया सफर शुरू करने और साथ मे लाइफ को सेलिब्रेट करने के लिए एक्साइटेड हूं। मैं उसके साथ बहुत ही गहराई से जुड़ता हूं। वह मुझे खूबसूरती से समझती है। और मेरे अंदर की कमी को पूरा करती है। आगे का सफर बहुत ही शानदार होने वाला है।

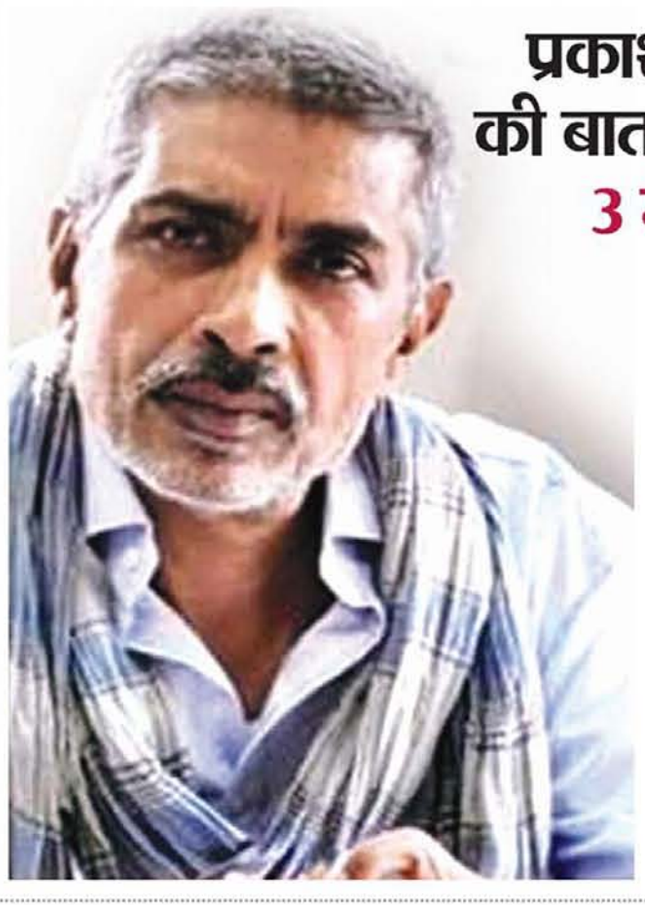

प्रकाश झा ने आगामी फिल्मों पर की बात, क्या राजनीति 2-गंगाजल 3 में नहीं होंगे रणबीर-अजय?

प्रकाश झा को खास अंदाज में पर्दे पर कहानी कहने के लिए जाना जाता है, जो आम जनता को काफी आकर्षित भी करता है। हालांकि, काफी समय से उनका कोई बड़ा प्रोजेक्ट बड़े पर्दे पर नहीं आया है। आजकल के दौर में जहां फ्रैंचाइजी फिल्मों का बोलबाला है। ऐसे में प्रकाश झा ने भी हाल ही में गंगाजल 3 और राजनीति 2 की योजना का खुलासा किया है। साथ ही, उन्होंने इन संभावित परियोजनाओं में अजय देवगन और रणबीर कपूर के शामिल होने पर भी चर्चा की है।

गंगाजल 3 की स्क्रिप्ट है तैयार

गंगाजल को एक कल्ट क्लासिक के रूप में माना जाता है, जिसमें अजय देवगन के अमित कुमार के किरदार को बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन पुलिसकर्मी के रूप में सराहा गया था। हालांकि, जब प्रकाश झा ने जय गंगाजल में प्रियंका चोपड़ा के साथ सीक्वल बनाने की कोशिश की थी, जो अपेक्षित प्रभाव नहीं छोड़ पाई। अब फिल्मकार तीसरी कड़ी में एक नया दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट भी पहले ही तैयार हो चुकी है।

प्रकाश झा ने आगामी फिल्मों पर की बात

इसके अलावा वह राजनीति 2 की भी योजना बना रहे हैं। पहले भाग में रणबीर कपूर, अजय देवगन, नाना पाटेकर और मनोज बाजपेयी जैसे सितारे थे। यह फिल्म राजनीति और सत्ता के खेल को दर्शाती है, जिसमें हर किरदार का अपना महत्व था। इन फिल्मों पर बात करते हुए प्रकाश झा ने कहा, यह गंगाजल का विस्तार नहीं है, बल्कि एक नई कहानी होगी जो एक हेड कांस्टेबल के बारे में है। वहीं, राजनीति 2 पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, दूसरी फिल्म पहली फिल्म का विस्तार है। समर प्रताप (रणबीर कपूर का किरदार) विदेश जा चुके हैं, लेकिन वह कहानी का हिस्सा बने रहेंगे।

क्या अजय देवगन-रणबीर कपूर होंगे हिस्सा?

जब उनसे पूछा गया कि क्या अजय देवगन और रणबीर कपूर इन फिल्मों में अपने पुराने किरदारों को फिर से निभाएंगे, तो प्रकाश ने स्पष्ट किया कि इस बारे में कुछ भी कहना अभी मुश्किल है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह सकता कि हम कास्ट को फिर से लेंगे। दस साल पहले आप सीधे अभिनेता से मिलकर कहानी सुना सकते थे और उन्हें फिल्म के लिए मना सकते थे। अब अभिनेता खुद स्क्रिप्ट नहीं पढ़ते। उनके सहायक और मैनेजर्स ऐसा करते हैं और आपको उनसे संपर्क करने के लिए कई स्तरों से गुजरना पड़ता है। इस बातचीत में प्रकाश झा ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर कोई उपयुक्त भूमिका मिलती है तो वह अजय देवगन और रणबीर कपूर के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई प्रोजेक्ट होगा, तो उनसे संपर्क किया जाएगा, लेकिन मैं उनसे नियमित संपर्क में नहीं हूं।

स्त्री 2 की सफलता के बाद राजकुमार राव ने बढ़ाई फीस

एक आउटसाइडर होने के बाद भी राजकुमार राव ने बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी हालिया रिलीज फिल्म स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। रिपोर्ट्स की मानें तो स्त्री 2 की सफलता के बाद राजकुमार राव ने अपनी फीस बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये कर दी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेता ने कहा, मैं हर दिन अलग-अलग आंकड़े पढ़ता हूं। मैं अपने निर्माताओं पर बोझ डालने वाला मूर्ख नहीं हूं। उन्होंने आगे बोला, सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर का हिस्सा बनने से एक अभिनेता के रूप में मुझमें कोई बदलाव नहीं आएगा। राजकुमार ने आखिरी में जोड़ा, मैं जीवन भर काम करना चाहता हूं इसलिए मैं ऐसी भूमिकाओं की तलाश में रहता हूं जो मुझे चुनौती दें।

नोएडा के उद्यमियों को 20 साल पुराने बकाया का मिला नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के उद्यमियों को राज्यकर विभाग से पिछला बकाया राशि का

ब्याज सहित भुगतान करने के नोटिस भेजे जा रहे हैं। उद्यमियों को मिले नोटिस 20 साल पुराने बकाया के हैं। उद्यमियों को वर्ष-2020 से 2017 के बकाये के नोटिस मिल रहे हैं।

अपर आयुक्त, राज्य कर, गौतमबुद्धनगर जोन, सुश्री चॉदनी सिंह की अध्यक्षता में राज्य कर की बैठक का आयोजन सैक्टर-148, नौएडा स्थित कार्यालय में किया गया। एन0ई0ए0 के अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन जी ने जी0एस0टी0 से संबधित समस्याओं से अपर आयुक्त, राज्य कर के सामने उठाते हुए बताया कि विगत कुछ दिनों से उद्यमियों के पास विभाग द्वारा पिछला बकाया धनराशि (वर्ष 2002 से 2017) ब्याज सहित जमा कराने के नोटिस भेजे जा रहे है जबकि अधिकाशं केसो में उद्यमी द्वारा सभी देयताओं का भुगतान पूर्व में कर दिये गये है । किन्तु अब 20 साल बाद उस भुगतान किये गये पेमेंट का रिकार्ड उद्यमियों के पास उपलब्ध नही है। कुछ केसो में विभाग द्वारा सीधे बैंकों को सूचित कर सीधे खाते सीज करवा दिये गये है। इससे व्यापारी का सारा व्यापार ठप हो जाता है । उन्होंने यह मॉग रखी कि यदि उद्यमी द्वारा भुगतान के साक्ष्य पेश करने के बावजूद जो अधिकारी बैंक खाते सीज करने जैसी कार्यवाही कर रहे है उनके खिलाफ सख्त विभागीय कार्यवाही की जाए ।

उन्होंने वैट के समय की सियोरिटी बॉड एंव एफ0डी0 विभाग में जमा है उनकों इनकैश कराने के लिए विभाग से अनुरोध किया गया। साथ ही पुराने रिकार्ड के डिजिटाईजेशन होने के बाद उद्यमी को वैट के समय का अदेयता प्रमाण पत्र जारी करे ताकि भविष्य में उद्यमी के साथ ऐसी विसंगतियां खड़ी न होने पाये। उद्यमियों को अपर आयुक्त, राज्य कर, सुश्री चॉदनी सिंह ने अवगत कराया कि भविष्य में विभाग द्वारा इस तरह की कार्यवाही पर रोक लगाई जाएगी। विभाग सभी रिकार्ड का डिजिटाईजशन करवा रहा है जो लगभग 1-2 माह में पूरा हो जाएगा।

प्रतिनिधिमण्डल में एनईए के महासचिव वी0के0सेठ, सचिव एंव चेयरमैन जीएस0टी कमेटी एनईए आलोक कुमार गुप्ता, वरि0 उपाध्यक्ष हरीश जोनेजा, मुकेश कक्कड, सचिव आलोक कुमार गुप्ता, प्रदीप मेहता, तमनजीत सिंह चड्ढा, वी0 राम कुमार, गौरव कपूर, अनिल गुप्ता, डी.के. इग्ले, पंकज जिंदल, नरेन्द्र चोपड़ा, विनीत मेहता शामिल रहे।

राष्ट्रीय हित हमारे लिए सर्वोपरि होना चाहिए : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारत के संविधान को अंगीकृत किये जाने के दिन को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संविधान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की एवं कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में लखनऊ के लोग भवन में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा एवं सुना।

संविधान दिवस के मौके पर आयोजित गोष्ठी में जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान है। इसे आज ही के दिन अंगीकृत किया गया था। हमारा संविधान क्रांतिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं महान विभूतियों की वर्षों की तपस्या का प्रतिफल है। इसमें समय के अनुसार होने वाले परिवर्तनों को आत्मसात करने की प्रवृत्ति है, जो किसी भी संविधान की जीवंतता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संविधान के उद्देशिका संविधान की आत्मा/मूल है। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों के साथ-साथ हमें अपने कर्तव्यों को भी जानना चाहिए और उनका बड़ी ही इमानदारी वह निष्ठा के साथ पालन भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान की मूल भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारीग एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निष्ठा के साथ पालन करें एवं कार्यालयों में आने वाले फरियादियों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न रखें सभी को समानता के भाव से देखते हुए उनके फरियाद को सुने एवं उनकी समस्याओं का निदान भी करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर पूरी तरह से निष्ठा बनाए रखनी चाहिए एवं राष्ट्रीय हित हमारे लिए सर्वोपरि होना चाहिए।

इस अवसर पर प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे, वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चंद, सहायक आयुक्त द्वितीय खाद्य सर्वेश मिश्रा, जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी, अन्य जिला स्तरीय अधिकारी तथा कर्मचारीग उपस्थित रहे।

नोएडा में चलाया गया प्लॉगिंग अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपनी जिम्मेदारी के तहत, एरिक्सन इंडिया ने नोएडा में अपने कर्मचारियों और प्लोग्गा मूवमेंट के संस्थापक एरिक अहलस्ट्रॉम के साथ मिलकर प्लॉगिंग का आयोजन किया। प्लॉगिंग में दौड़ने के साथ-साथ कचरा इकट्ठा किया जाता है। यह पहल एरिक्सन की पर्यावरण पर प्रभाव कम करने और कर्मचारियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने की कोशिश को दर्शाती है।

एरिक अहलस्ट्रॉम ने इस दौरान कहा कि आज मुझे नोएडा में एरिक्सन के साथ प्लॉगिंग करने का शानदार मौका मिला। एरिक्सन एक स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य बनाने में अपनी भूमिका निभा रहा है। मुझे खुशी है कि प्लोग्गा प्रदूषण को खत्म करने में योगदान दे रहा है। यह पहल दिखाती है कि काम शब्दों से ज्यादा असरदार होते हैं। एरिक्सन के साथ मिलकर, प्लॉगिंग एक स्वच्छ और हरी-भरी दुनिया बनाने में मदद कर रही है। यह एक बेहतर कल की ओर बड़ा कदम है।

6 साल से नहीं बढ़ा है वेतन, स्वास्थ्य कर्मी हड़ताल पर बैठे

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर- 30 स्थित प्रदेश के चाइल्ड

हेल्थ केयर के प्रीमियर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में तैनात स्वास्थ्यकर्मी वेतन में बढ़ोतरी और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गये हैं। हालांकि आपातकालीन सेवाओं के स्वास्थ्यकर्मी हड़ताल में शामिल नहीं है। धरने पर बैठे स्वास्थ्यकर्मी का कहना है कि उनका पिछले करीब 6 साल से वेतन नहीं बढ़ाया गया है। हड़ताल के चलते पीजीआई की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है।

स्वास्थ्यकर्मी अजीत कुमार व श्वेता ने बताया कि सुदर्शन कंपनी के माध्यम से 6 साल पहले काम पर रखा गया था कर्मचारियों का कहना है कि एजेंसी ने कहा था कि हर साल 5 प्रतिशत वेतन में बढ़ोतरी की जाएगी, इसके लिए अस्पताल प्रबंधन को पत्र भी लिखा गया था। छह साल बीत जाने के बाद भी उन्हे बढ़ा हुआ वेतन नहीं मिला है और न ही ज्वाइनिंग लेटर दिया गया। इस संबंध में एजेंसी और अस्पताल प्रबंधन को कई बार पत्र लिखा गया और आश्वासन भी मिला। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही हुई, मजबूरन हमें हड़ताल करना पड़ा है।

चाइल्ड पीजीआई में फार्मासिस्ट पद पर तैनात सुमित कहते है कि हमारी मांगे पूरी नहीं हो रही है। हमसे कहा गया था कि हर साल सैलरी 5 प्रतिशत बढ़ेगी, लेकिन छह साल से नहीं बड़ी है, न हमारा पीएफ कटता है ना ही जॉइनिंग लेटर दिया जा रहा है। जॉइनिंग लेटर देंगे तो पता चलेगा हमारी सैलरी कितनी है?

चाइल्ड पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट में इस समय एजेंसी के माध्यम से 140 टेक्नीशियन, नर्सिंग स्टाफ, वार्ड ब्वॉय आदि कार्यरत हैं। संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों के अलावा अस्पताल में 60 से अधिक स्थायी कर्मचारी भी कार्यरत हैं। ऐसे में संविदा कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद स्थायी कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ गया है।

भाजपा से संविधान की रक्षा करना है : मुकेश यादव

नोएडा (चेतना मंच)। किसी तरह सत्ता पाने के लिए भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की

मूल आत्मा संविधान का मानमर्दन की साजिश काफी दिनों से कर रही है, लेकिन कांग्रेस के सहयोगी दलों की तत्परता से भाजपा के मंसूबे पूरे नहीं हो पा रहे हैं। कांग्रेस हमेशा से संविधान की रक्षा के लिये कृतसंकल्पित है। ये बात कांग्रेस नोएडा महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव ने सेक्टर-19 के सामुदायिक भवन में संविधान दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर भाजपा से संविधान की रक्षा करें।

महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा अध्यक्ष मुकेश यादव ने कहा कि मौजूदा समय में लोकतंत्र व संविधान को दरकिनार किया जा रहा है, लेकिन हम संविधान की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

कार्यक्रम का आयोजन महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा महासचिव राम कुमार शर्मा ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन महानगर कांग्रेस कमेटी नोएडा उपाध्यक्ष ललित अवाना ने किया।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, कांग्रेस नेता एडवोकेट दिनेश अवाना, पूर्व अध्यक्ष नोएडा कांग्रेस शहाबुद्दीन, कांग्रेस नेता सतेन्द्र शर्मा, महानगर उपाध्यक्ष यतेंद्र शर्मा देवेन्द्र भाटी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राज कुमार मोनू, सोशल, सोशल आउटरीच युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद चांद, उपाध्यक्ष यतेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष ललित अवाना, महासचिव दयाशंकर पांडे, महासचिव एडवोकेट संदीप सिंह सिसौदिया, महासचिव विक्रम चौधरी, सचिव वीरो देवी, सचिव आरके प्रथम, युवा कांग्रेस सचिव मुकेश पासवान, परवेज, सचिव युवा कांग्रेस श्याम दीक्षित, रफफन, युवा कांग्रेस सचिव अमन चौधरी, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अनुज शर्मा, युवा कांग्रेस महासचिव इकबाल चौधरी, जूली, राज, अरमान, आसिफ, अरुण प्रधान, ईएस गुप्ता, राज़ कुमार चौहान, अनिल सक्सेना, पूरन जोशी मुकेश जोशी, वरूण, बलवीर व अन्य लोग मौजूद रहे।

एडीसीपी ने सेक्टर-58 थाने का किया औचक निरीक्षण

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने सेक्टर-58 थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क और कंप्यूटर कक्ष का जायजा लिया। एडीसीपी ने संबंधित कर्मचारियों को अभिलेखों को साफ और व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही महिला हेल्प डेस्क और साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों को शिकायतों का तुरंत और गंभीरता से निपटारा करने के लिए कहा।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने महिला हेल्प डेस्क और साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि वे प्राप्त शिकायतों पर तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करें। इसके साथ ही उन्होने थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि वह क्षेत्र में प्रतिदिन फुट पेट्रोलिंग करें और सघन चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखें। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी को प्राथमिकता देने की बात भी कही गई।